आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
वर्ष-11 । अंक 153 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण
इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शनिवार, 07 जून, 2025

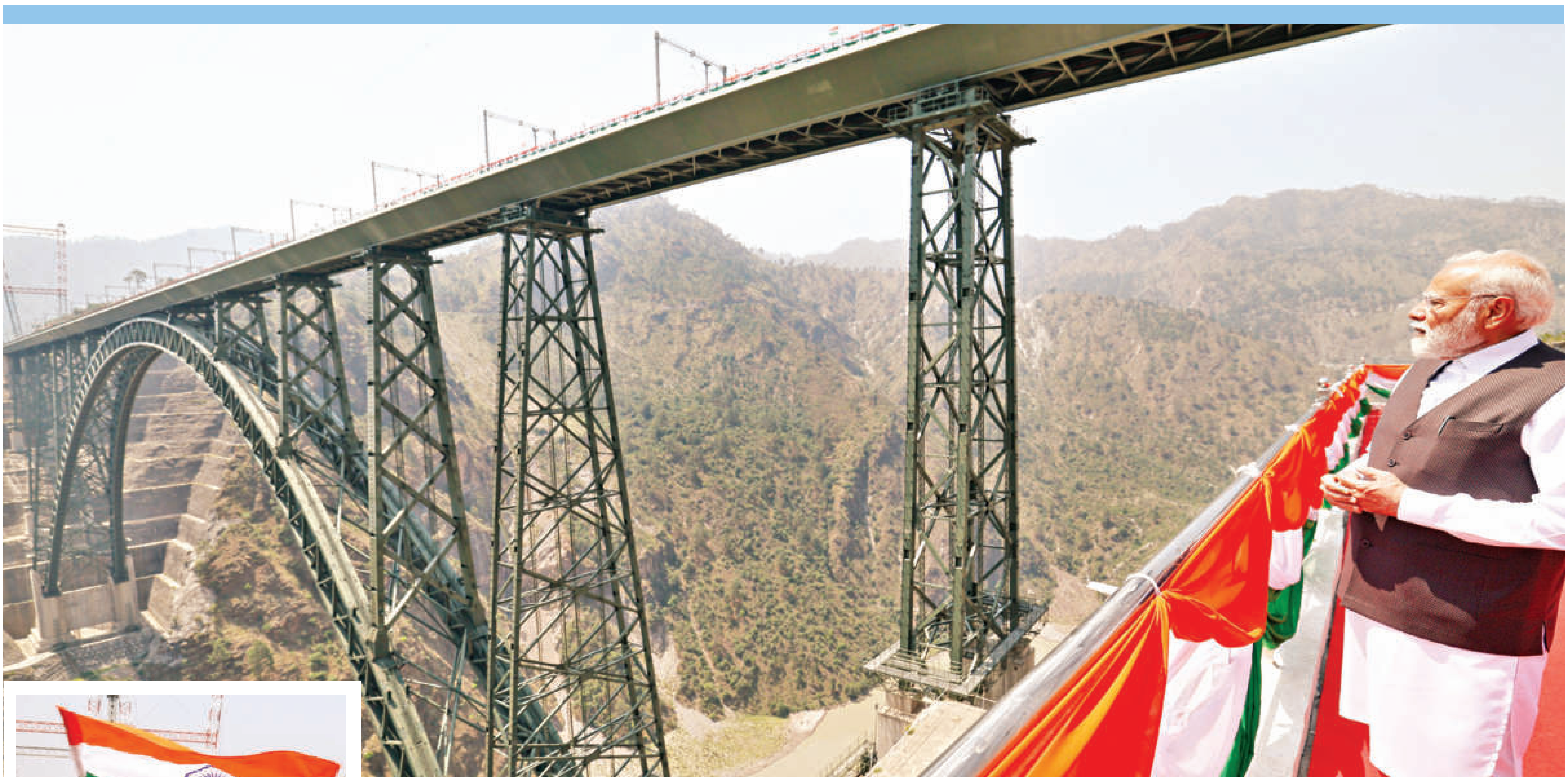

पीएम ने तिरंगा लहराकर चिनाब आर्च ब्रिज का उद्घाटन किया :कहा-

पाकिस्तान ने इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला किया, हमने उस पर कयामत बरसा दी

एजेंसी ● श्रीनगर

पीएम मोदी ने शुक्रवार को पहलगाम हमले के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। उन्होंने यहां के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज का तिरंगा दिखाकर उद्घाटन किया। इसके बाद अंजी ब्रिज और कटरा में कश्मीर की पहली ट्रेन कटरा-श्रीनगर वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। मोदी ने कटरा में 42 मिनट का भाषण दिया। इसमें आतंकवाद, पाकिस्तान और कश्मीर के टूरिज्म का जिक्र किया।

पीएम ने कहा, 'दुर्भाग्य से हमारे पड़ोस का देश, मानवता का विरोधी, मेलजोल का विरोधी है। वह ऐसा देश है जो गरीब की रोजी-रोटी का भी विरोधी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में जो हुआ, वह इसी का उदाहरण है। पाकिस्तान ने इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला किया। हमने 6 मई को उस पर कयामत बरसा दी।'

कश्मीर को जोड़ने वाली पहली ट्रेन भी शुरू

पीएम मोदी सबसे आखिर में कटरा पहुंचे। यहां के रेलवे स्टेशन पर उन्होंने कश्मीर को जोड़ने वाली कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंदी दिखाई। नॉर्दर्न रेलवे 7 जून से कटरा-श्रीनगर रुट पर वंदे भारत ट्रेन सर्विस शुरु कर देगी। IRCTC की वेबसाइट पर टिकट बुकिंग की जा सकेगी। हफ्ते में 6 दिन दो ट्रेनें कटरा और श्रीनगर के बीच चलेंगी। आजादी के 77 साल बाद भी कश्मीर बर्फबारी के सीजन में देश के दूसरे हिस्सों से कट जाता है। नेशनल हाईवे-44 बंद होने से घाटी जाने का बंद हो जाता है। इसके अलावा भी सड़क के रास्ते जम्मू से कश्मीर जाने में 8 से 10 घंटे का समय लग जाता था। ट्रेन शुरु होने से यह सफर करीब तीन घंटे में पूरा हो जाएगा।

देश के पहले केबल स्टे अंजी ब्रिज का भी उद्घाटन

पीएम ने मोदी ने अंजी खड्ड पर बना भारत का पहला केबल स्टे रेल ब्रिज का भी उद्घाटन किया। यह पुल नदी तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर बना है। 1086 फीट ऊंचा एक टावर इसे सहारा देने के लिए बनाया गया है, जो करीब 77 मंजिला बिल्डिंग जितना ऊंचा है। यह ब्रिज अंजी नदी पर बना है जो रियासी जिले के कटरा को बनिहाल से जोड़ता है। चिनाब ब्रिज से इसकी दूरी महज 7 किमी है। इस पुल की लंबाई 725.5 मीटर है। इसमें से 472.25 मीटर का हिस्सा केबल्स पर टिका हुआ है।

45 लाख का इनामी भास्कर नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा में 7 नक्सलियों का सरेंडर

एजेंसी ● बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने 45 लाख रुपए के इनामी नक्सली भास्कर (45 साल) को भी मार गिराया है। दोनों तरफ से भारी गोलीबारी हुई। जवानों ने भास्कर के शव के साथ ही ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद किए हैं। मुठभेड़ इंद्रावती नेशनल पार्क इलाके में हुई।

भास्कर मंचेरियल कोमाराम भीम (एमकेबी) DVC का सदस्य और सचिव था। आंध्रप्रदेश के आदिलाबाद का रहने वाला था। इसके पहले 1 करोड़ का इनामी नक्सली सुधाकर भी मारा गया है। सुधाकर नक्सलियों के शिक्षा विभाग का इंचार्ज था। आंधप्रदेश के चिंतापालुदी गांव का रहने वाला था।

वहीं दंतेवाड़ा में 2 इनामी समेत 7 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें जुगलू उर्फ सुंडुम कोवासी (50 हजार इनामी), दशा उर्फ बुरकू पोड़ियाम (50 हजार इनामी), भोजा राम माड़वी, लखमा उर्फ सुती उर्फ लखन मरकाम, रातू उर्फ ओठे कोवासी, सुखराम पोड़ियाम और पंडरू राम पोड़ियाम शामिल हैं।

नक्सलियों के प्रेस इंचार्ज की भी थी मौजूदगी

मिली जानकारी के मुताबिक फोर्स सर्चिंग पर निकली थी। इसी दौरान घात लगाए बैठे नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी गोलीबारी की। बताया जा रहा है कि तेलंगाना स्टेट कमेटी में नक्सलियों के प्रेस इंचार्ज बंडी प्रकाश समेत बड़े स्तर के नक्सलियों की मौजूदगी भी थी। इस दौरान मुठभेड़ में 2 नक्सली मारे गए, जिससे सुधाकर की डेडबॉडी को जवानों ने बरामद कर लिया था। वहीं भास्कर का शव आज मिला है। उसके पास से हथियार भी मिले हैं, जिन्हें जवानों ने जब्त कर लिया है।

विराट कोहली के खिलाफ शिकायत, RCB मार्केटिंग हेड को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

एजेंसी ● बेंगलुरु

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर 4 जून को भगदड़ मामले में क्रिकेटर विराट कोहली के खिलाफ कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत की गई है। सोशल एक्टिविस्ट एच.एम. वेंकटेश ने अपनी कम्प्लेन में कोहली को हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अभी तक कोहली के खिलाफ FIR दर्ज नहीं की गई है। अब तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB), इवेंट मैनेजमेंट कंपनी DNA एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (KSCA) के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

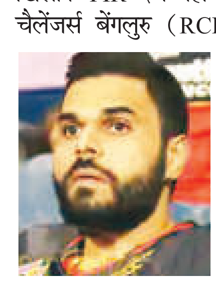

RCB और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के चार अधिकारियों को गिरफ्तार भी किया गया है। कोर्ट ने सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने KSCA के अधिकारियों को 16 जून तक गिरफ्तार से राहत दी है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मास्टरमाइंड कनाडा में अरेस्ट

एजेंसी ● जालंधर

NCP नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मास्टरमाइंड जीशान अख्तर उर्फ

जस्सी पुरेवाल को कनाडा की सरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि गिरफ्तारी किस केस में हुई है।

12 अक्टूबर 2024 की रात को बाबा सिद्दीकी की मुंबई में उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस गैंग ने ली थी। गैंग ने दावा किया था कि बाबा सिद्दीकी बॉलीवुड स्टार सलमान खान के करीबियों में था। इसी वजह से उसे मारा। पुलिस जांच में सामने आया था कि सिद्दीकी की हत्या का मास्टरमाइंड जालंधर का रहने वाला जीशान अख्तर है। जब शूटर्स ने सिद्दीकी को गोलियां मारी तो वह मौके पर मौजूद था। हत्या के बाद वह विदेश भाग गया था। तब दावा किया गया था कि उसे भगाने में पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने मदद की थी।

सांदीपनी स्कूल-नवोदय विद्यालय से शिक्षा के नए कीर्तिमान बनेंगे : सीएम

मुख्यमंत्री ने सांदीपनी और जवाहर नवोदय विद्यालय भवन का किया लोकार्पण

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन रतलाम जिले के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जिले को दो सौगातें मिली हैं। आलोट में नवोदय विद्यालय के साथ ही सांदीपनी विद्यालय भवन का लोकापर्ण किया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। मध्यप्रदेश में शासकीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहें है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र मे उत्तरोतर प्रगति कर रहा है। रतलाम के आलोट में 38.4 करोड़ लागत से बने पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय-2, छात्रावास और स्टॉफ क्वार्टरो तथा 35 करोड़ 11 लाख की लागत से निर्मित

सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025 में 10वी एवं 12वी बोर्ड परीक्षा के परिणामों में निजी स्कूलों के बजाए शासकीय स्कूल के बच्चों ने ज्यादा अच्छा प्रर्दशन किया है। नीट, जेईई जैसी परीक्षाओं में भी सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कोई कमी नही छोडी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जवाहर नवोदय विद्यालय से मुख्य मार्ग से जोडने वाली सड़क का निर्माण किये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार अन्य क्षेत्रों में भी विकास के कार्य कर रही हैं। सिंचाई के लिए भी कई परियोजनाएं क्रियान्वित की गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी विजन के तहत नदी जोड़ो अभियान की शुरूआत हुई है। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की बेहतरी के लिए पार्वती, चंबल, कालीसिंध नदी जोडों परियोजना स्वीकृत की गई है। इससे प्रदेश के कई गांव को पेयजय एवं सिंचाई के लिए जल मिल सकेगा।

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि यह नवोदय विद्यालय रतलाम में दूसरा है, पहला विद्यालय कालूखेड़ा में स्थित है। नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय और उत्कृष्ट विद्यालय पूरे देश में विद्यार्थियों का शैक्षणिक एवं नैतिक विकास कर रहे हैं।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि रतलाम जिले के आलोट में यह दूसरा नवोदय विद्यालय प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर युवाओं को रोजगार मूलक शिक्षा देने में जवाहर नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

90% पौधों के जीवित रहने की दर का दावा; विश्व पर्यावरण दिवस पर सतत वनरोपण के साथ भारत की हरित क्रांति का नेतृत्व किया

फॉरेस्ट्स बाय हार्टफुलनेस ने 30 मिलियन पेड़ लगाने का संकल्प लिया

एजेंसी ● हैदराबाद

पहल

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट की एक प्रमुख पहल फॉरेस्ट्स बाय हार्टफुलनेस (FBH) ने एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ बड़े पैमाने पर सतत वनरोपण के लिए 2030 तक 3 करोड़ पेड़ लगाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। वैज्ञानिक दृढ़ता, सामुदायिक जुड़ाव और आध्यात्मिक संवेदनशीलता द्वारा समर्थित यह पहल भारत के क्षरित परिदृश्यों में मापने योग्य असर डाल रही है। इस परियोजना के हिस्से के रूप में एक वर्ष के दौरान 650 हेक्टेयर वन भूमि विकसित करने के लिए 3.5 लाख पेड़ लगाए जाएँगे, प्रत्येक पेड़ लोगों द्वारा अपनी माँ के सम्मान में लगाया जाएगा, जो पहली गुरु हैं। माननीय उपमुख्यमंत्री द्वारा लगाया जाने वाला पहला पेड़ श्रद्धेय दाजी की माँ आदरणीय बा, श्रीमती शांताबेन के नाम पर होगा।

भारत ने 2000 से अब तक 2.19 मिलियन हेक्टेयर वृक्ष क्षेत्र खो दिया है। यह एक चिंताजनक 5.6% की गिरावट है जिससे जलवायु परिवर्तन, आवास की हानि और मिट्टी के क्षरण को लेकर चिंताएँ बढ़ रही हैं। जवाब में एफबीएच ने एक पुनर्योजी वन मॉडल का बीड़ा उठाया है जो पारंपरिक वृक्षारोपण अभियानों से परे है। यह मॉडल न केवल जैव-विविधता और क्षत-विक्षत मिट्टी को पुनर्स्थापित करता है बल्कि ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाता है और लोगों को ध्यान और आध्यात्मिक पारिस्थितिकी के माध्यम से प्रकृति से जोड़ता है। अपनी स्थापना के बाद से फॉरेस्ट्स बाय हार्टफुलनेस ने 12 राज्यों में 10,000 एकड़ बंजर भूमि पर 30 लाख से अधिक पेड़ लगाए हैं, जिससे 80 से अधिक लुप्तप्राय प्रजातियों का संरक्षण हुआ है और 90% से अधिक जीवित रहने की दर प्रभावशाली है। यह 20 देशी नर्सरियों का संचालन करता है, जिसमें 330 स्थानीय प्रजातियों के 60 लाख पौधे हैं, जो इसे भारत के सबसे विविध और मजबूत वृक्षारोपण प्रयासों में से एक बनाता है। "दाजी ने हमें पेड़ों को संवेदनशील प्राणी के रूप में मानने की दृष्टि दी है। उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन से, हम 2030 तक 3 करोड़ पेड़ लगाने के लिए प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मेल का उपयोग कर रहे हैं। यहाँ तक कि बच्चे भी जंगलों को पोषित करना और उनकी रक्षा करना सीख रहे हैं। हम सब मिलकर एक-एक जंगल के ज़रिए हरित भविष्य का निर्माण कर रहे हैं," सेवानिवृत्त आईएफएस और फॉरेस्ट्स बाय हार्टफुलनेस के अध्यक्ष डॉ. वी. रमाकांत ने कहा।

फॉरेस्ट्स बाय हार्टफुलनेस की मुख्य विशेषताएँ

80% सफलता दर के साथ 1200+ परिपक्व पेड़ों को स्थानांतरित किया गया 35 झीलों का पुनर्निर्माण किया गया या नई झीलें बनाई गईं, जिससे 77 करोड़ लीटर पानी के भंडारण की क्षमता प्राप्त हुई 12 राज्यों में 75,000 एकड़ से अधिक बंजर भूमि पर 22 वनरोपण परियोजनाएँ पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए बायोचार, चेक डैम, फाइटोसियोलॉजिकल सर्वेक्षण और सक्रिय खाद का उपयोग स्थानीय समुदायों के लिए कृषि वानिकी, वाटरशेड प्रबंधन और देशी नर्सरी तकनीकों में प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्य प्रचलित तरीकों से अलग, FBH का दृष्टिकोण प्राकृतिक वन उत्तराधिकार का अनुसरण करता है जो ऊपरी मिट्टी के प्रतिस्थापन से बचता है और जैविक खाद, नीम केक और माइक्रोबियल एक्टिवेटर का उपयोग करके इसे समृद्ध करता है। हर रोपण स्थल का चयन मिट्टी की संरचना, देशी वनस्पति और जल विज्ञान का आकलन करने वाले गहन पारिस्थितिक सर्वेक्षणों के माध्यम से किया जाता है ताकि दीर्घकालिक लचीलापन और अनुकूलता सुनिश्चित की जा सके। यह विधि पेड़ों, झाड़ियों, जड़ी-बूटियों, लताओं और घासों को शामिल करते हुए जटिल, बहु-स्तरीय वन पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देती है, जिससे उच्च जैव-विविधता और जीव एकीकरण को बढ़ावा मिलता है।

पूरे भारत में हार्टफुलनेस द्वारा किए गए वन पहले से ही बंजर भूमि को पुनर्जीवित कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में रतलाम के शिवगढ़ में 2,000 एकड़ झाड़ीदार जंगल को पुनर्जीवित करके देशी जंगल बनाया जा रहा है। रतलाम में 105 एकड़ का नगर वन स्थानीय आबादी के लिए ऑक्सीजन बैंक का काम करता है। गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और दिल्ली एनसीआर में कई जगहों पर इसी तरह का मॉडल अपनाया जा रहा है, साथ ही जल निकायों, मृदा संरक्षण संरचनाओं का निर्माण और देशी चारा फसलों के माध्यम से स्थायी आजीविका का सृजन किया जा रहा है।

पिछले साल हार्टफुलनेस ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरुप 'एक पेड़ माँ के नाम' नाम से वनीकरण परियोजना शुरु की थी। इसका शुभारंभ मध्य प्रदेश के मैहर जिले में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर हुआ। यह एक अनूठी पहल है जो पर्यावरण की जिम्मेदारी को माताओं के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ जोड़ती है।

मध्य भारत में मरुस्थलीकरण को रोकने के प्रयास में अरावली की पहाड़ियों में अरावली वनरोपण परियोजना जोरों पर चल रही है। इसके लिए गुजरात के मेहसाणा जिले में तरंगा हिल्स को कम वर्षा (~ 400 मिमी प्रति वर्ष), गर्मियों में 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुँचने वाले उच्च तापमान और मिट्टी की नमी की कमी से वनस्पति के नुकसान के कारण अत्यधिक शुष्कता के कारण चुना गया था। इस परियोजना को बुनियादी ढाँचे, रणनीतिक हस्तक्षेप और जल संरक्षण के माध्यम से इस शुष्क क्षेत्र को एक स्थायी हरित क्षेत्र में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आर्थिक रुप से व्यवहार्य इस परियोजना में 150,000 चंदन के पेड़ों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की देशी प्रजातियों का रोपण शामिल है, जिसमें जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए 625,000 पौधे लगाए जाएँगे। वनरोपण अभियान दो चरणों में संरचित है: चरण I में 50 हेक्टेयर और चरण II में 350 हेक्टेयर शामिल हैं। यहाँ सबसे अधिक ऊँचाई समुद्र तल से 486 मीटर है। इस परियोजना में 715 रेन गन के सहयोग से 6 करोड़ लीटर की विशाल जल संरक्षण क्षमता शामिल है - जो किसी भी वनीकरण पहल में दुनिया की सबसे बड़ी तैनाती है। ये रेन गन वर्षा की तरह कार्य करती हैं, जिससे शुष्क भूमि को आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने में मदद मिलती है। इस पहल से देश भर में 10,000 से अधिक नौकरियाँ पैदा होने की उम्मीद है जिसमें सिर्फ गुजरात में ही 1,000 से अधिक नौकरियाँ पैदा होंगी।

जैसे-जैसे दुनिया पारिस्थितिकी तंत्र बहाली (2021-2030) पर संयुक्त राष्ट्र दशक के दूसरे भाग में प्रवेश कर रही है, फॉरेस्ट्स बाय हार्टफुलनेस जलवायु संबंधित कार्रवाई के एक विशिष्ट भारतीय मॉडल के रूप में खड़ा है, जो वैज्ञानिक रुप से मजबूत, आध्यात्मिक रुप से निर्देशित और सामाजिक रुप से समावेशी है। संगठन भारत के हरित परिवर्तन की गति और गहराई को तेज करने में हाथ मिलाने के लिए सीएसआर भागीदारों, राज्य सरकारों और नागरिक समाज समूहों को आमंत्रित करता है।

एक हरा-भरा कल, एक समय में एक जंगल

FBH केवल पेड़ लगाना नहीं है - यह जीवित पारिस्थितिकी तंत्रों को विकसित करना, संतुलन बहाल करना और जलवायु-तैयार समुदाय बनाना है। जैसे-जैसे दुनिया जलवायु संकट के लिए स्थायी समाधान खोजती है, FBH पुनर्जनन का एक अनुकरणीय, मापने योग्य और अत्यंत मानवीय मॉडल प्रस्तुत करता है।

शॉट न्यूज

बदमाशों ने दो युवकों का अपहरण कर जमकर पीटा

इंदौर। एरोड्रम इलाके में एक घर में घुसकर बदमाशों ने दो लोगों के साथ जमकर मारपीट की और फिर उन्हें घसीट कर मोटरसाइकिल पर जबरदस्ती बैठकर ले गए और मारपीट की एवं धमकी देकर फरार हो गए। जय भवानी नगर में रहने वाले संदीप पिता बाबूलाल 24 साल ने पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कालू उर्फ कमल पिता भगत सिंह कौशल निवासी जुनैद साल अपने भाई नवल किशोर और अन्य साथियों के साथ मेरे घर आए और पूछने लगे कि प्रकाश भैया कहां रहते हैं। मैंने कहा कि वह यहां मकान खाली करके चले गए हैं। कभी सभी आरोपियों ने घर का अंदर से दरवाजा बंद कर दिया।

86 लाख 47 हजार का सोना भरे पार्सल की अफरा-तफरी

इंदौर। एरोड्रम इलाके में एक व्यवसायी के साथ 86 लाख 50 हजार के जेवरों की धोखाधड़ी हो गई। आरोपियों ने जेवर भरे पार्सल की अफरा-तफरी कर दी। पुलिस ने रतलाम के ज्वेलर सहित दो लोगों पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक घटना अम्बिकापुरी कॉलोनी एक्सटेशन की है। फरियादी यश पिता रमेश वाढेर निवासी मांडवी चौक सोनी बाजार राजकोट (गुजरात) की रिपोर्ट पर आरोपी छाजेड कुंदन ज्वेलर्स के प्रोप्रायटर सुधीर छाजेंड़ निवासी लक्कड़ पीठा रोड रतलाम और बीवीसी लाजिस्टिक कम्पनी के कर्मचारी तनिष के खिलाफ केस दर्ज किया है। उसे मैंने होल्ड कराया था, किंतु आरोपियों ने इंदौर से ही पार्सल लेकर मेरी कंपनी से भेजे 86,74,604 रुपए कीमती सोने के पार्सल की अफरा तफरी कर मेरे साथ धोखाधड़ी की है।

महिला को मौत का भय दिखाकर 54 लाख की धोखाधड़ी

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक महिला को मौत का भय दिखाकर पूजा पाठ और तांत्रिक क्रिया के नाम पर लाखों रुपए नकदी और जेवर हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर दंपती और मां के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया है। लसूड़िया पुलिस ने फरियादी दीपा पति राजकुमार पांडे निवासी निपानिया की रिपोर्ट पर रितिक उर्फ सत्यम पिता संतोष मिश्रा उसकी मां बिनाबाई पति संतोष मिश्रा और पत्नी निवासी जौनपुर उत्तर प्रदेश के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में पुलिस ने केस दर्ज किया है। फरियादी दीपा पांडे के मुताबिक आरोपियों ने 1 जनवरी 2024 में उसे मौत का भय दिखाकर पिछले 15 -16 महीनों में पूजा पाठ एवं तांत्रिक क्रिया के नाम पर लाखों रुपए ले रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के

मुख्यालय में पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ

संवाददाता ● भोपाल

कार्यक्रम

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अमरकंटक भवन स्थित मुख्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अभियंता श्री आनंद सिंह ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं तथा दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी आदतें अपनाना समय की मांग है। कार्यक्रम में उप परियोजना संचालक (तकनीकी) श्री शैलेन्द्र शुक्ला, उप परियोजना संचालक (प्रशासन) श्री धीरेन्द्र सिंह, वित्त नियंत्रक श्री अमन पस्तोर सहित सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विशेष रूप से, पर्यावरण के प्रति जागरूकता दर्शाते हुए कुछ कर्मचारी साइकिल से कार्यालय पहुंचे, साथ ही इन्होंने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का संकल्प भी लिया।

युवती के पेट में एक हफ्ते तक फंसी पिन निकाली

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर के सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के डॉक्टरों ने 17 वर्षीय लड़की के पेट से एक हिजाब पिन को बाहर निकाला है। यह 7 सेमी लंबी पिन लड़की ने काम करते समय गलती से निगल ली थी। फिर पेट के निचले हिस्से में एक हफ्ते तक समय तक फंसी रही। एंडोस्कोपी के माध्यम से इसे डेढ़ घंटे में निकाला गया। डॉ. अमित अग्रवाल (गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट) ने बताया कि इंदौर निवासी यह युवती दर्द और उल्टी की शिकायत के साथ अस्पताल आई थी। वह कुछ खा नहीं पा रही थी और उसकी हालत लगातार बिगड़ रही थी। डॉक्टरों ने तत्काल एक्स-रे किया। इसमें लगभग 5 से करीब 7 सेमी लंबी पिन दिखी। उसे निकालने की काफी जटिल प्रक्रिया थी, क्योंकि पेट में उसका सिर्फ सिरा दिखाई दे रहा था। निकालते समय यह ध्यान रखना था कि इस प्रक्रिया में इसोफेगस (भोजन नली) को कोई नुकसान न पहुंचे। सुबह उसकी सर्जरी हुई और हालत ठीक है। उसने तरल आहार लेना शुरू कर दिया है। दो दिनों बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। डॉक्टरों के मुताबिक यह अपने प्रकार का पहला मामला है। सिक्के आदि के पेट में फंसने के कई मामले देखे हैं, लेकिन पेट के निचले हिस्से में पिन फंसे होने का मामला पहली बार सामने आया है। युवती को पहले एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया था, लेकिन गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट के छुट्टी पर रहने के कारण इलाज नहीं हुआ। इसके बाद उसे सुपर स्पेशियलिटी में रेफर किया गया।

गलती से हिजाब पिन निगलने से बिगड़ी हालत

पीएनबी हरित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए 8.30% की शुरुआती

दर से ई-वाहन ऋण की पेशकश कर रहा है

संवाददाता ● नई दिल्ली

6 जून 2025: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, देश के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने गैर-इलेक्ट्रिक वाहन ऋणों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहनों पर 0.05% कम ब्याज दर की पेशकश कर पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया है। पीएनबी के ग्रीन फाइनेंसिंग पर विशेष ध्यान देने से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं, बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 5,178 इलेक्ट्रिक वाहन ऋण स्वीकृत किए हैं, जिससे वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है। यह वृद्धि स्वच्छ परिवहन समाधान की ओर भारत में परिवर्तन का समर्थन करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बैंक के प्रमुख सतत उत्पादों में शामिल हैं

इलेक्ट्रिक वाहन ऋणः इलेक्ट्रिक वाहनों के वित्तपोषण के लिए, ब्याज दर की शुरुआत 8.30% से होती है। इसे 'पीएनबी वन' ऐप के माध्यम से डिजी वाहन ऋण द्वारा सुगमता से प्राप्त किया जा सकता है। सोलर रूफटॉप वित्तपोषणः पीएनबी की सोलर रूफटॉप योजना शून्य प्रसंस्करण/दस्तावेजीकरण प्रभार के साथ, 6.50% की शुरुआती

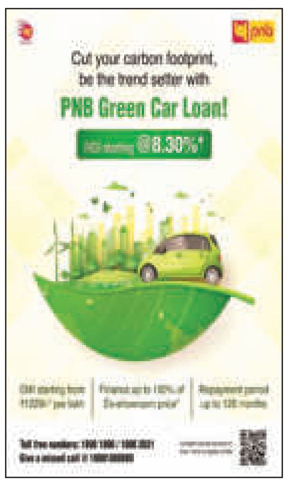

आकर्षक ब्याज दरों और 120 माह की चुकौती अवधि वाली 10 किलोवाट तक के सोलर पावर सिस्टम के लिए का वित्तपोषण प्रदान करती है। विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री फिरोज हसनैन, मुख्य महाप्रबंधक, एमएसएमई और रिटेल, पीएनबी ने संबोधित करते हुए कहा कि, 'इलेक्ट्रिक वाहन की ऋण स्वीकृतियों में तीव्र वृद्धि के साथ, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, सतत भविष्य का वित्तपोषण कर रहे हैं। हमारा व्यापक हरित उत्पाद पोर्टफोलियो हमारे इस विश्वास का उदाहरण है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए बैंकिंग एक सशक्त बल बन सकता है।' अधिक जानकारी के लिए www.pnbindia.in पर जाएं या अपनी निकटतम पीएनबी शाखा से संपर्क करें।

सोनालीका ने वित्त वर्ष 2026 में मई की अपनी अब तक की

सर्वाधिक कुल 14,213 ट्रैक्टर बिक्री के साथ बढ़त हासिल

संवाददाता ● नई दिल्ली

भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने वित्त वर्ष 26 की अपनी यात्रा को तेज करते हुए मई की अपनी अब तक की सर्वाधिक कुल 14,213 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की है। यह नई उपलब्धि सोनालीका के ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण और परिणाम-उन्मुख इनोवेशन का नतीजा है जो किसानों को शानदार सफलता सुनिश्चित करता है। ब्रांड अपने हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों के साथ भारतीय कृषि परिदृश्य में परिवर्तन लाने में लगातार आगे रहा है, जो क्षेत्रीय मिट्टी की विविधता में अधिकतम कृषि उत्पादन के लिए सबसे बड़े इंजन, उन्नत ट्रांसमिशन और सटीक हाइड्रोलिक्स जैसे कई फीचर से लैस हैं। मानसून का समय से आगमन पर किसानों में पहले ही सकारात्मकता और आशावाद की लहर है। किसान-केंद्रित पहल और विश्व स्तरीय कृषि-तकनीक को अपनाने के साथ, सोनालीका ने यह भी सुनिश्चित किया है कि ट्रैक्टरों में इसका हर इनोवेशन सीधे उन लोगों को लाभ दे जो देश को भोजन प्रदान करते हैं। किसानों के लिए किफायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान करने हेतु ब्रांड ने अपना रोमांचक 'सोनालीका जून डबल जैकपॉट ऑफर' भी लॉन्च किया है, जो उन्हें 1,975 पुरस्कार जीतने का मौका देता है। अपने विचार साझा करते हुए, रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, "हमारा हर इनोवेशन किसानों के जीवन में एक दीर्घकालिक प्रभाव प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है और हम वित्त वर्ष'26 में मई की अपनी अब तक की सर्वाधिक कुल 14,213 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज करके उत्साहित हैं। प्रत्येक उपलब्धि हमें अपने इनोवेशन को तेज़ करने और वैश्विक स्तर पर किसानों के लिए उत्पादकता और समृद्धि प्रदान करने हेतु उन्नत तकनीकों को सामने लाने के लिए ऊर्जा देता है। मानसून के समय पर आगमन से विशेष ट्रैक्टरों की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

भोपाल मंडल में आयोजित "रेल सेवा पुरस्कार 2024" समारोह में 37 उत्कृष्ट रेलकर्मियों का हुआ सम्मान

13 स्टेशनों एवं डिपों को भी प्रदान की गई 'श्रेष्ठ कार्य निषपादन शील्ड'

संवाददाता ● भोपाल

सम्मान

मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी की अध्यक्षता में दिनांक 06 जून 2025 को न्यू नर्मदा क्लब, सभागार परिसर में "रेल सेवा पुरस्कार 2024" वितरण समारोह का आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में भोपाल मंडल के विभिन्न विभागों के 37 समर्पित रेलकर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही , 13 स्टेशनों एवं डिपों को 'श्रेष्ठ कार्य निष्पादन शील्ड' से भी सम्मानित किया गया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन रेलवे कर्मियों की सेवा निष्ठा एवं कार्य गुणवत्ता को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिवर्ष किया जाता है। इस अवसर पर रेल सेवाओं की उत्कृष्टता में योगदान देने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिह्न प्रदान किए गए।

इस वर्ष जिन विभागों के कर्मचारियों को सम्मानित किया गया, उनमें इंजीनियरिंग विभाग से 07, यांत्रिक डीजल शेड इटारसी से 02, यांत्रिक कैरिज वेगन विभाग से 04, कार्मिक विभाग से 03, परिचालन विभाग से 01, कर्षण परिचालन से 03, विद्युत सामान्य से 02, विद्युत टीआरएस से 03, विद्युत टीआरडी से 02, चिकित्सा विभाग से 01, लेखा विभाग से 01, सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग से 02, आरपीएफ/

सुरक्षा विभाग से 01, सामान्य प्रशासन से 02, राजभाषा विभाग से 01, संरक्षा विभाग से 01 तथा रेलवे स्कूल इटारसी से 01 कर्मचारी शामिल हैं। इस प्रकार कुल 37 रेलकर्मियों को रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, 12 स्टेशनों एवं डिपों को 'श्रेष्ठ कार्य निष्पादन शील्ड' से भी सम्मानित किया गया, जो निम्नानुसार हैं

1. राजभाषा हिंदी शील्ड – वाणिज्य विभाग कार्यालय,भोपाल
2. राजभाषा हिंदी शील्ड- भोपाल एवं भोपाल स्टेशन उपसमिति
3. उत्तम स्वच्छ स्टेशन – मथैला स्टेशन (परिचालन विभाग)
4. सर्वोत्तम इंजीनियरिंग डिपो – शिवपुरी डिपो
5. श्रेष्ठ रोलिंग स्टॉक डिपो – टीआरएस, इटारसी डिपो (यांत्रिक/विद्युत विभाग)
6. एआरटी/एआरएमई/स्पॉट रेस्पॉन्स हेतु श्रेष्ठ इकाई – गुना स्टेशन (यांत्रिक विभाग)
7. रेल परिसर की श्रेष्ठ कालोनी रखरखाव इकाई – हबीबगंज रेलवे कॉलोनी(इंजीनियरिंग विभाग)
8. रोडसाइड स्टेशनों की श्रेष्ठ कालोनी – पचौर स्टेशन (इंजीनियरिंग विभाग)
9. सर्वोत्तम टीआरडी डिपो – औबेदुल्लागंज डिपो
10. ऊर्जा संरक्षण में सर्वश्रेष्ठ – गुना डिपो
11. सर्वोत्तम रनिंग रूम – 18 बंगला रनिंग रूम, इटारसी(टीआरओ विभाग)
12. सर्वश्रेष्ठ दूरसंचार डिपो – हरदा डिपो
13. सर्वश्रेष्ठ विद्युत डिपो – बीना डिपो

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी ,महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती गुंजन त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री विजय सिंह ,वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ,सभी शाखा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी, यूनियन पदाधिकारी,पुरस्कार प्राप्त करने वाले रेलकर्मी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

बिजली कटौती के बाद अब जलसंकट, डेढ़ दर्जन से ज्यादा टंकियां रही खाली

पश्चिम क्षेत्र में नहीं चले नल, लोग पानी को तरसे

संवाददाता ● इंदौर

परेशानी

लगातार विद्युत कटौती के साथ ही आज नगर निगम ने भी जल संकट की सौगात पश्चिम क्षेत्र के रहवासियों को दी है। पश्चिम क्षेत्र में आज नलों से पानी का वितरण नहीं हो सका। नल नहीं चलने के कारण आधे इंदौर में आज भीषण जलसंकट है। बताया जाता है कि कहीं फाल्ट होने से नर्मदा प्रोजेक्ट के पंप बंद हो जाने के कारण पश्चिम क्षेत्र की करीब डेढ़ दर्जन टंकियां खाली रह गई। कुछ टंकियां में पानी पहुंच भी तो नहीं के बराबर। इससे लोग इंतजार करते रहे, लेकिन नलों से पानी नहीं आया। कुछ लोगों ने नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिकारियों को फोन लगाए और अधिकांश लोगों ने वैकल्पिक व्यवस्था कर दिनचर्या को सुचारु करने की कोशिश की है।

जानकारी अनुसार आज पश्चिमी शहर में नलों से जल आपूर्ति का दिन था, लेकिन आज नलों से सप्लाई नहीं हो सकी। इसका कारण बताया जा रहा है कि जलूद स्थित नर्मदा प्रोजेक्ट के पंप बंद हो गए। इस कारण पानी इंदौर नहीं पहुंच सका। पानी नहीं पहुंचने के कारण से पश्चिमी शहर की डेढ़ दर्जन से अधिक टंकियां आज खाली रह गई। नल नहीं चलने के कारण पश्चिम क्षेत्र की टंकियां से जुड़ी सैकड़ों कॉलोनियों के लोगों को पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करना पड़ी। लोगों ने पास-पड़ोस स्थित बोरिंगों से पानी की व्यवस्था की वहीं कुछ लोगों ने महंगे टैंकर भी खरीद कर पानी की व्यवस्था की है। उधर, नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिकारी और नगर निगम के झोनल ऑफिस पर जब लोगों ने फोन लगाया तो एक ही जवाब सुनने को मिल रहा था कि पंप नहीं चले इस कारण पानी नहीं सप्लाई हो सका है।

आए दिन होती रहती है जल संकट की स्थिति

वर्तमान में जल संकट की स्थिति आए दिन देखी जा रही है। करीब एक पखवाड़े पूर्व भी नर्मदा प्रोजेक्ट के पंप लाइनों में लीकेज होने के कारण बंद किए गए थे। इस दौरान वैसे तो अधिकारियों का कहना था कि 2 दिन में आपूर्ति सामान्य हो जाएगी लेकिन शहर में करीब एक सप्ताह तक जल संकट की स्थिति बनी रही। एक बार लाइन दुरुस्त करने के बाद दोबारा उसी जगह भी लीकेज होना पाए जाने के कारण शटडाउन कई दिन तक चला।

जल संवर्धन में शैक्षणिक संस्थानों की महती भूमिका जरूरी : मंत्री सिलावट

संवाददाता ● इंदौर

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट के मुख्य आतिथ्य में आज देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सभागार में 'जल संवर्धन में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका' विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो.राकेश सिंघई ने की। इस अवसर पर प्रो. राजीव दीक्षित, डॉ. अजय शर्मा सहित शैक्षणिक संस्थानों के प्राध्यापक, प्रोफेसर्स, शिक्षक आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री सिलावट ने कहा कि विकसित भारत के सपने की बुनियाद पानी है। पानी का संवर्धन करना अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें हमारी पुरानी धरोहर जैसे तालाब, नदी, बावड़ी, कुएं आदि का संरक्षण एवं रखरखाव करना है, साथ ही इन धरोहरों को अतिक्रमण मुक्त भी करना है। पुरानी संस्कृति एवं इतिहास को देखें तो देश के प्रत्येक बड़े शहर एवं कस्बे किसी न किसी नदी के किनारे बसें है। आज यदि हम उनका संरक्षण नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ी के लिए बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। इस पुनीत कार्य में शैक्षणिक संस्थानों की महती भूमिका आवश्यक है। सिलावट ने कहा कि प्रदेश में कुल लगभग 207 नदियां हैं, इसीलिए मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। इंदौर जिले में लगभग साढ़े तेरह (13.5) नदियां प्रवाहमान है, जिनमें से साढ़े सात (7.5) नदियों का उद्गम स्थल जानापाव पहाड़ी है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसान तथा समाज के प्रबुद्धजन, डॉक्टर, वकील, समाजसेवियों आदि को साथ में लेकर जल संवर्धन को जन आंदोलन बनाए जाने की आवश्यकता है। जिस प्रकार हमने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी, उसी प्रकार जल संवर्धन के लिए एक वृहद जन आंदोलन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर कैचमेंट एरिया खत्म हो गया है, उन कैचमेंट एरिया को पुनः पुराने स्वरूप में लाया जाएगा।

ये आराम का मामला है...

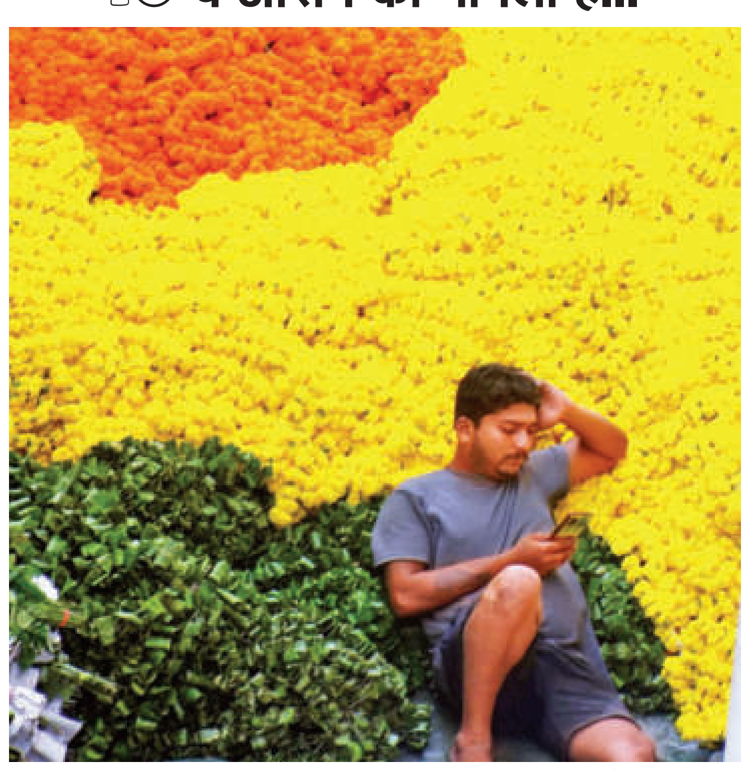

काम के बाद फूलों के ढेर पर आराम भी जरूरी है।

गंगा दशहरा पर जन-जागरूकता की एक अभिनव पहल

परंपरा और पर्यावरण एक साथ मिलाकर चलें, तो ही पुष्ट होगी संस्कृति : व्यास

संवाददाता ● इंदौर

गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन मालव मंथन द्वारा देवी अहिल्या वेद विद्यालय एवं मानव सेवा ट्रस्ट, इंदौर में एक विशेष आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन ने परंपरा, संस्कृति और पर्यावरण चेतना के त्रिवेणी संगम का साक्षात् स्वरूप प्रस्तुत किया। गंगा दशहरा का पर्व जहां गंगाजी के धरती पर अवतरण की स्मृति दिलाता है, वहीं विश्व पर्यावरण दिवस हमें धरती मां की रक्षा का संदेश देता है। इन दोनों शुभ अवसरों पर मालवमंथन ने सामूहिक गंगा पूजन एवं देववृक्षों का रोपण कर परंपराओं की जीवंतता और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास किया। पर्यावरणविद स्वप्निल व्यास ने कहा कि जब परंपरा और पर्यावरण एक साथ कदम से कदम मिलाकर चलें, तो न केवल संस्कृति पुष्ट होती है बल्कि प्रकृति भी सुरक्षित होती है। इसी भाव को मूर्त रूप देने के लिए गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर हमने यह आयोजन किया वहीं संस्थान के मैनेजिंग ट्रस्टी मनोहर बाहेती ने कहा कि हमारी परंपराएं सिर्फ श्रद्धा नहीं सिखातीं, वे पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना भी जगाती हैं। गंगा दशहरा जैसे पर्व नदियों के प्रति श्रद्धा और स्वच्छता दोनों का प्रतीक हैं।यदि हम इन परंपराओं की आत्मा को समझें तो हर त्योहार पर्यावरण दिवस बन सकता है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संयोजक द्वारका मालवीय ने बताया कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गंगा पूजन से हुई, इसके पश्चात परिसर में रुद्राक्ष, गूलर और पांच प्रकार की तुलसी के पौधों का रोपण किया गया और छात्रों ने संकल्प भी लिया कि वे नियमित रूप से वृक्षों की देखभाल करेंगे, जल को व्यर्थ नहीं बहाएंगे, और प्लास्टिक के उपयोग से बचेंगे।

भाजपा ने नगर इकाई से मांगे नाम

आधा समय गुजरने के बाद अब निगम में नियुक्त होंगे 12 एल्डरमैन

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर नगर निगम में 12 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। इसके लिए भाजपा संगठन द्वारा नगर अध्यक्ष से नाम मांग लिए गए हैं। इंदौर नगर निगम की वर्तमान परिषद के कार्यकाल का आधा समय गुजरने के बाद अब सरकार को जल्द से जल्द एल्डरमैन की नियुक्ति की याद आई है। अब तक तो इंदौर नगर निगम में 6 एल्डरमैन नियुक्त किए जाते थे। इस बार सरकार द्वारा एल्डरमैन की संख्या में वृद्धि करने का फैसला लिया गया है। राज्य सरकार द्वारा इस बार इंदौर, भोपाल और ग्वालियर नगर निगम में एल्डरमैन की संख्या बढ़ाने का फैसला लिया गया है। सरकार द्वारा तय किया गया है कि इन तीनों नगर निगम में 12-12 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएं। इस बारे में सरकार की ओर से आदेश जारी होने के बाद प्रदेश भाजपा संगठन भी सक्रिय हो गया है। सूत्रों ने बताया कि प्रदेश भाजपा कार्यालय द्वारा शहर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा को पत्र भेजकर एल्डरमैन की नियुक्ति के लिए संगठन की ओर से नाम मांग लिए गए हैं। इस पत्र में बताया गया है कि इंदौर, भोपाल और ग्वालियर नगर निगम में ही 12 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। बाकी सभी नगर निगम में 8 एल्डरमैन ही नियुक्त किए जाएंगे। प्रदेश की सभी नगर पालिका में 6 और नगर परिषद में 4 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। इंदौर निगम परिषद के कार्यकाल का आधा समय निकल चुका है। अब सरकार एल्डरमैन की नियुक्ति के लिए जागी है। प्रदेश भाजपा कार्यालय द्वारा इंदौर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा को भेजे गए संदेश में कहा गया कि जल्द से जल्द एल्डरमैन के पद के लिए अनुशंसा भेजी जाए।

इसके बाद आएगा निगम-मंडल का नंबर

ऐसा समझा जा रहा है कि सरकार द्वारा अब एल्डरमैन की नियुक्ति के साथ ही राजनीतिक नियुक्ति की प्रक्रिया को शुरु किया जा रहा है। सबसे पहले एल्डरमैन की नियुक्ति की जाएगी। उसके बाद निगम-मंडल में नियुक्ति का दौर शुरु किया जाएगा। भाजपा के नेता पिछले काफी समय से निगम-मंडल में नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वैसे राज्य सरकार के निर्वाचन को अभी 1 साल ही हुआ है। ऐसे में यदि अभी से निगम-मंडल में भी नियुक्ति कर दी जाती है तो नियुक्त होने वाले व्यक्ति को काम करने के लिए काफी समय मिल सकेगा।

मुखबिरी के शक में युवक को कार में बैठाकर ले गए बदमाश

युवक ने कार का स्टेयरिंग घुमाया तो हुआ एक्सीडेंट, फिर छूटकर भागा

संवाददाता ● इंदौर

कनाड़िया इलाके में बदमाशों ने मुखबिरी के शक में एक युवक को अगवा कर लिया। बदमाश युवक को जान से मारने की नीयत से कार में ले जाने लगे, लेकिन रास्ते में युवक ने आरोपियों की कार का स्टेयरिंग ही घूमा दिया, जिससे कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई और युवक उनके चंगुल से छूटकर भाग निकला। पुलिस के मुताबिक घटना कनाड़िया वाइन शॉप के सामने की हैं। मामले में कमलापुर जिला देवास निवासी तौसीफ पिता राशिद अली की शिकायत पर जिशान , फरदीन , फिरोज, गोलू कसेरा व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं।फरियादी ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि आरोपीगण मुझे अपनी कार एमपी09डब्ल्यूए0013 में मुझे जान से मारने की नियत से जबरदस्ती बैठा लिया और मेरे साथ लात-ठूसों से मारपीट करने लगे। आरोपी कहने लगे कि तू और गब्बर हमारी मुखबिरी करते हो। तुम्हें जान से खत्म कर देगें मुझे अपनी कार में जबरदस्ती बैठाकर देवास तरफ ले जा रहे थे कि मैने मांगलिया शराब दुकान के सामने पहुंचने पर अपने आप को बचाने के लिए कार का स्टेरिंग घुमा दिया, जिससे वह कार रोड किनारे खड़े ट्रकों से टकराकर पलट गई थी। इसमें कार पुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार से मैं व आरोपी बाहर निकले व मुंह पर बंधे कपड़े उतारने पर मैंने देखा कि उसमें जिशान, फरदीन, फिरोज, गोलू कसेरा थे।

संभागायुक्त ने रेसीडेंसी एरिया स्थित सन्मति स्कूल परिसर में पहले शिविर का किया शुभारंभ

संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ शिविर का लाभ लें लोग : संभागायुक्त

संवाददाता ● इंदौर

स्वास्थ्य

संभागायुक्त दीपक सिंह ने रेसीडेंसी एरिया स्थित सन्मति स्कूल परिसर में स्वास्थ्य विभाग और श्री अरबिंदो मेडिकल कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से आयोजित संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम का शुभारंभ आज दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. शौजी जोसेफ, क्षेत्रीय संयुक्त संचालक डॉ. पूर्णिमा गडरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीएस सैत्या और अरविंदो अस्पताल के डॉ. आदित्य चौरसिया विशेष रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर संभागायुक्त सिंह ने संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर का अवलोकन किया और सम्पूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शिविर में 1167 हितग्राहियों ने अपना पंजीयन करवाया। प्रमुख रुप से शिविर में 407 मरीजों की लिपड प्रोफाईल की गई। 110 लोगों का फाईब्रो स्केन किया गया। 65 लोगों का ईको, 67 यूएसजी, 59 मेमोग्राफी, 659 का जनरल मेडिसिन में उपचार किया गया, 76 हृदय रोगियों की जांच की गई, 140 हड्डी रोग से संबंधित जॉचे व उपचार किया एवं 51 दंतरोग से संबंधित जांचे की गई। शिविर में आम लोगों के साथ-साथ बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया। यदि किसी कर्मचारी में स्वास्थ्य संबंधी कोई गंभीर समस्या पायी जाती है तो चिह्नित कर उसका समुचित उपचार किया जाएगा।

संभागायुक्त सिंह ने कहा कि शिविर में आने वाले मरीजों की आधुनिक मशीनों से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, सीबीसी, ईसीजी, फायब्रो स्केन, मेमोग्राफी, मोतियाबिंद, पेपस्मेयर आदि की निःशुल्क जांच की गई।

साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा नागरिकों को चिकित्सकीय परामर्श और दवाईयां भी उपलब्ध करायी गई। इसके अलावा केन्द्र सरकार की स्वास्थ्य योजना आयुष्मान कार्ड, आभा कार्ड के बारे में भी जानकारी दी गई। संभागायुक्त दीपक सिंह ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उल्लेखनीय है कि असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए इंदौर जिले में 13 स्वास्थ्य संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ शिविर आयोजित किये जा रहे है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य सुविधा देना और उन्हें समय रहते रोगों की पहचान कराना एवं रोकथाम हेतु मदद पहुंचाना है। अरविंदो अस्पताल के संस्थापक डॉ. विनोद भंडारी ने बताया कि संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम में चार उमीदों वाली बसों के माध्यम से कैंसर से बचाव पर विशेष ध्यान दिया। इसके तहत स्तन कैंसर, सर्वाकल कैंसर, ओरल कैंसर की समुचित व्यवस्था की गई। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद रहकर निःशुल्क चिकित्सा परामर्श दे रहे हैं और आवश्यकता के अनुसार उपचार भी कर रहे हैं।

आगामी शिविर इन स्थानों पर लगेंगे

दूसरा शिविर 7 जून को बाल विनय मंदिर नेहरु पार्क रोड में आयोजन होगा। इसी प्रकार तीसरा शिविर 9 जून को सीएम राइज स्कूल नंदानगर में होगा। इसी प्रकार 11 जून को संजीवनी क्लीनिक अहिल्या नगर, 12 जून को कन्केवश्वरी स्कूल नंदानगर, 14 जून को एडवांस एकेडमी निपानिया, 16 जून को जिला अस्पताल धार रोड, 18 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाणगंगा, 21 जून को यूपीएचसी गुमास्ता नगर, 23 जून को बिचौली हप्सी पीएचसी एवं स्कूल, 26 जून को खजराना गणेश मंदिर, 28 जून को यूपीएचसी खजराना और 30 जून को गाँधी हॉल में शिविर आयोजित किये जाएंगे।

रंग खाने के लिए बुरे होते हैं, लेकिन ऑफिस प्रोडक्टिविटी के लिए नहीं

गर्मागर्म जलेबी के नारंगी पीले रंग और ऑफिस में उसी रंग की दीवार में क्या बात आम है और उनमें क्या विपरीत है? आम बात यह है कि यह रंग किसी को भी ’शुगर रश' देने के लिए काफी है। और विपरीत बात यह है कि जलेबी का चमकीला रंग शुद्ध जहर है, जबकि दीवार पर लगा ऊजार्वान रंग सामाजिकता की भावना को बढ़ावा देते हुए गर्मजोशी का अहसास कराता है। हां, जलेबी का रंग इसलिए जहरीला है, क्योंकि यह ’येलो 6' नामक कलर से बनाया जाता है। यह पेट्रोलियम आधारित एजो डाई है, जो सिंथेटिक रंगों की श्रेणी में आती है। इसकी आणविक संरचना में नाइट्रोजन होता है, जो दुनिया में इस्तेमाल किए जाने वाले आधे से अधिक कॉमर्शियल डाई में पाया जाता है। यह उन आठ रंगों में से एक भी है, जिन्हें अमेरिका ने पिछले सप्ताह प्रतिबंधित किया है।

हाल के दशकों में जहां प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड्स की बढ़ती खपत ने कई देशों को खानपान की चीजों में इस्तेमाल किए जाने वाले रंगों पर पुनर्विचार के लिए मजबूर किया है, वहीं कई कार्यालयों ने चमकीले रंगों को अपनाया है। क्योंकि हाल के शोध ने साबित कर दिया है कि चमकीले दिखने वाले रंग लोगों में वेल-बीइंग की भावना को बढ़ा सकते हैं, वे सतर्कता में भी इजाफा कर सकते हैं जो कि किसी कर्मचारी के लिए महत्वपूर्ण होती है। कोविड में वर्क फ्रॉम होम के बाद लोग दफ्तरों में लौट आए हैं, इसलिए अधिकांश आधुनिक दफ्तरों ने उत्पादकता बढ़ाने की उम्मीद में वर्कप्लेस के डिजाइन पर पुनर्विचार शुरू कर दिया है। कई उद्यमी और एचआर प्रमुख मनुष्य के मनोविज्ञान पर रंगों के प्रभाव के बारे में गहरी समझ विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उनकी मदद से ऑफिस में बिहेवियरल बदलाव ला सकें।

वर्क फ्रॉम होम के दौर में कर्मचारियों को वीडियो कॉल पर अन्य सहकर्मियों के घर में किए हुए ऑफिस सेटअप की झलक दिख जाती थी। वहां वे ऐसे रंगों के बीच रहना पसंद करते थे, जो उनके व्यक्तित्व को बेहतर तरीके से दशार्ते हों। और कई एचआर प्रमुखों का मानना है कि जब वे ऑफिस लौटे तो वे उस अनुभव को वहां भी ले आना चाहते थे। शोध से पता चलता है कि सैचुरेटेड रंगों का

उदाहरण के लिए, कार्यालय में एक छोर पर काला दरवाजा बताता है कि यह वरिष्ठ अधिकारियों के लिए विशेष डाइनिंग रूम है और अधिकांश कर्मचारियों को वहां प्रवेश की अनुमति नहीं है। हाई सैचुरेशन वाले रंगों में हमारे श्वसन, रक्तचाप और यहां तक कि शरीर के तापमान को भी बदलने की क्षमता होती है। सोशल मीडिया फर्श, दीवारों और छत पर समान रंगों के साथ इमर्सिव कलर कोडेड स्पेस बनाने में बहुत अच्छा है, जिसे आधुनिक दुनिया में ’कलर-ड्रेंच्ड' कहा जाता है।

कार्यस्थल से कर्मचारियों के जुड़ाव पर गहरा असर पड़ सकता है। सैचुरेशन कलर्स उन्हें देखने वालों को शुद्ध रंग की तरह लगते हैं, क्योंकि वे अधिक वाइब्रेंट होते हैं। वहीं कम सैचुरेशन वाले रंग काले, सफेद या ग्रे जैसे रंगों के करीब होते हैं।

उदाहरण के लिए, कार्यालय में एक छोर पर काला दरवाजा बताता है कि यह वरिष्ठ अधिकारियों के लिए विशेष डाइनिंग रूम है और अधिकांश कर्मचारियों को वहां प्रवेश की अनुमति नहीं है। हाई सैचुरेशन वाले रंगों में हमारे श्वसन, रक्तचाप और यहां तक कि शरीर के तापमान को भी बदलने की क्षमता होती है। सोशल मीडिया फर्श, दीवारों और छत पर समान रंगों के साथ इमर्सिव कलर कोडेड स्पेस बनाने में बहुत अच्छा है, जिसे आधुनिक दुनिया में ’कलर-ड्रेंच्ड' कहा जाता है। ऐसे कार्यस्थलों का वातावरण कर्मचारी को प्रसन्न बनाता है और इससे वह अधिक प्रोडक्टिव बनता है। वैज्ञानिक निष्कर्षों के अनुसार, सेज ग्रीन जैसा प्रशांत रंग चिंतन-मनन के लिए आदर्श है, जबकि नारंगी और पीले रंग सामुदायिकता की भावना को प्रोत्साहित करते हैं, मीटिंग स्पेस के लिए कूल नीला रंग बेहतर है- जिसमें समय जल्दी बीतता हुआ प्रतीत होता है- व्यक्तिगत फोकस वाले स्थानों में पीकॉक ब्लू रंग होने चाहिए, और कम्युनिटी सभागृहों में विविध दृष्टिकोणों को बढ़ावा देने के लिए वॉर्म और कूल रंगतें होनी चाहिए। यदि आप चाहते हैं कि कर्मचारी लाल रंग को अवॉइड करने पर फोकस करें, तो इसका कारण यह है कि यह रंग विश्लेषणात्मक प्रदर्शन को प्रभावित करता है। शोध से प्राप्त होने वाले ये परिणाम अधिकारियों को अपनी विशिष्टता और कर्मचारियों की उत्पादकता के बीच अंतर करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। फंडा यह है कि कार्यस्थल पर चमकीले रंगों का उपयोग करके एक नया माहौल बनाएं, क्योंकि वे विश्वास, सहयोग, परंपरा और प्रयोग जैसे मूल्यों को दशार्ते हैं, जिनसे कर्मचारियों की सहभागिता और योगदान में

संत वचन

मसीह में भाइयों और बहनों, जैसा कि हमने एंटिओक के सेंट इग्नाटियस के जीवन और उदाहरणों से सुना है, और जैसा कि हमने पवित्र शास्त्रों के शब्दों को समझा है, इसलिए हम सभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें ताकि हम उन लोगों के पदचिन्हों पर चल सकें जो हमसे पहले चले गए हैं और अपने जीवन और ईश्वर में विश्वास में अनुकरणीय रहे हैं। आइए हम सभी अपने अभिमान और अहंकार, लालच और अन्य प्रकार की इच्छाओं को त्याग दें जो हमें हमारे पतन की ओर ले जा सकती हैं। आइए हम सभी अब से अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में ईश्वर की इच्छा को और अधिक ईमानदारी से पूरा करने का प्रयास करें, और आइए हम अपने स्वयं के अनुकरणीय जीवन से एक-दूसरे को प्रेरित करना जारी रखें ताकि हम सभी को प्रभु के और करीब ला सकें। आज के हमारे प्रथम वाचन में, जो प्रेरित पौलुस द्वारा कलीसिया और इफिसुस नगर और क्षेत्र के ईश्वर के वफादार लोगों को लिखे गए पत्र से लिया गया है,

भाजपा जाति जनगणना का लाभ उठाने की स्थिति में है

जाति जनगणना पर भाजपा का हृदय-परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि पार्टी ने इसे कभी खारिज नहीं किया था। इसके निहितार्थों को लेकर पार्टी के भीतर और व्यापक संघ परिवार में भी ऊहापोह थी। बुधवार को कैबिनेट की सर्वोच्च समिति सीसीपीए ने जाति जनगणना को मंजूरी देने के लिए बैठक की। पिछले दो वर्षों से इस विचार को आगे बढ़ा रहे राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी अब इसके लिए सरकार पर दबाव बनाने का श्रेय ले रहे हैं। लेकिन लंबे समय के बाद किसी निर्णय पर राजनीतिक सर्वसम्मति दिखी है और भाजपा, कांग्रेस, क्षेत्रीय दल सभी एक ही पक्ष में हैं। भाजपा का गणित यह है कि वह इस निर्णय का राजनीतिक लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में है। क्योंकि आज वह पहले की तरह ब्राह्मण-बनिया पार्टी नहीं कहलाती है, बल्कि पिछले दशक में उसने दलितों-पिछड़ों में अपना समर्थन-आधार बढ़ाया है। सरकार का नेतृत्व एक ऐसे प्रधानमंत्री कर रहे हैं, जो खुद ओबीसी वर्ग से आते हैं।

एडिट.नोट

वैसे भी भाजपा ऐसी पार्टी है, जो किसी भी स्थिति को अपने फायदे में बदलने में माहिर है। भाजपा को मुद्दा भुनाना आता है, कांग्रेस इस खेल में पिट जाती है। राहुल गांधी द्वारा इस मुद्दे को उठाने के बाद से पिछले दो वर्षों में हुए चुनावों में कांग्रेस को कितने अतिरिक्त ओबीसी वोट मिले हैं? दूसरी तरफ 2024 के लोकसभा चुनावों में यूपी में भाजपा की सीटें भी 62 से घटकर 33 रह गईं और इसी के चलते वह बहुमत के आंकड़े से पीछे रह आई। इस गिरावट का एक महत्वपूर्ण कारण ओबीसी थे। उन्होंने भाजपा को उतने पैमाने पर वोट नहीं दिया, जैसी कि उनसे उम्मीद की जा रही थी।

सैद्धांतिक रूप से, जाति जनगणना का प्रयोजन है यह पता करना कि विभिन्न जातियां और उपजातियां कहां खड़ी हैं, ताकि सरकार हाशिए के लोगों को आगे आने का मौका देने के लिए उपयुक्त कार्यक्रम बना सके। अभी तक हम 1931 की जाति जनगणना के आंकड़ों पर ही निर्भर हैं।

उसके बाद, 2011 में भी एक जाति जनगणना हुई थी, लेकिन उसके अधिकांश निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह अजीब बात है कि न तो कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए- जो उस समय सत्ता में थी- और न ही भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए- जो पिछले 11 वर्षों से सत्ता में है- ने 2011 की जनगणना से मिली जानकरियों का खुलासा किया है। न ही वह जानकारी ह्यलीकह्न हो पाई है। कहा जाता है कि 2011 की जाति जनगणना से पता चला था भारत में 46 लाख जातियां हैं! राजनीतिक रूप से देखा जाए तो जाति जनगणना को राजनीतिक दलों द्वारा ओबीसी जातियों का समर्थन जुटाने के साधन के रूप में देखा जाता है, क्योंकि वे बड़ी संख्या में हैं। बिहार, तेलंगाना या कर्नाटक जैसी राज्य सरकारों द्वारा की गई जाति जनगणना से पता चलता है कि ओबीसी की संख्या और बढ़ने की संभावना है।

2023 में बिहार की जाति जनगणना में पाया गया था कि राज्य में ओबीसी की आबादी 63% थी। 1931 की जाति जनगणना के अनुसार, ओबीसी का राष्ट्रीय औसत 52% था। ऐसा होने पर, ओबीसी स्वाभाविक रूप से आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में अधिक हिस्सेदारी की मांग करेंगे। वे नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में अधिक आरक्षण चाहेंगे। राजनीति में इस बदली हुई हकीकत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस निर्णय की टाइमिंग ने भी सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। यह निर्णय ऐसे समय लिया गया है, जब देश पहलगाम आतंकी हमले के सदमे से जूझ रहा था। प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने की बात कही है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कई उच्चस्तरीय बैठकों के बाद सेना प्रमुखों को फ्री-हैंड दे दिया गया है। बढ़ते तनाव और सस्पेंस के बीच अचानक सरकार ने एक ऐसा कदम उठाया, जिसने सुर्खियों को बदल दिया है। जाति का मुद्दा उभरने ने अचानक स्थिति को थोड़ा ह्यसामान्यह्न कर दिया है। हमारी फौजें तब हमला करने का फैसला ले सकती हैं, जब सभी का ध्यान कहीं और हो। पहलगाम में जिस तरह से हिंदुओं को निशाना बनाया गया, उसका मकसद देश में हिंदू-मुस्लिम टकराव पैदा करना था।

विराग गुप्ता - लेखक

सिंधु जल समझौते के पांच जरूरी पहलुओं को समझें

भारत द्वारा सिंधु जल समझौते पर रोक को पाकिस्तान ने युद्ध की शुरूआत माना है। इस पर पाकिस्तान के कानून मंत्री अकील मलिक भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों में चार तरह से मामले को उठाने का प्रयास कर रहे हैं- अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता, वियना संधि 1969 के उल्लंघन पर हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, विश्व बैंक, यूएन सुरक्षा परिषद। सिंधु घाटी सभ्यता की सांस्कृतिक धरोहर को नकारने वाला पाकिस्तान संधि के दुरुपयोग से सिंधु और अन्य नदियों के पानी का बेशर्मी से इस्तेमाल करता आ रहा है। पहलगाम में आतंकी हमले के तार पाकिस्तानी सेना और आईएसआई से जुड़े हैं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का पक्ष बहुत मजबूत है। जल मंत्रालय की संसदीय समिति की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार भारत सिंधु समझौते से एकतरफा तौर पर अलग नहीं हो सकता (अध्याय 11, परिच्छेद 11.2) पाकिस्तान इस रिपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय मंचों में दुरुपयोग नहीं करे, इस बारे में सतर्कता बरतने की जरूरत है। नदी समझौतों से जुड़े मामलों के लिए इन 5 पहलुओं पर बेहतर समझ बनाने की जरूरत है : 1. चीन : चीन, पाकिस्तान और भूटान के साथ हुई संधियों के तहत भारत में 20 हजार मेगावॉट के पॉवर प्रोजेक्ट्स की सम्भावना है। संसदीय समिति के अनुसार भारत में सिर्फ 3482 मेगावॉट प्रोजेक्ट्स का निर्माण हुआ है। सिंधु नदी तिब्बत से निकलती है, जहां पर चीन ने साम्राज्यवादी तरीके से कब्जा कर रखा है। वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करके ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट भी बना रहा है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय मंचों में पाकिस्तान का अनैतिक समर्थन करने के कारण चीन को भी सच का आईना दिखाने की जरूरत है।

2. संविधान : संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत अंतरराज्यीय नदियों और पड़ोसी राज्यों के साथ संधि के विषय केंद्र के अधीन हैं। लेकिन नदी और पानी का मामला राज्य सरकारों के अधीन आता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में नदियों को जोड़ने (आईएलआर) वाले फैसले में केंद्र को निर्देश दिया था। पानी को संविधान की समवर्ती सूची में लाने के लिए आईएलआर समिति के सामने मैंने विस्तृत नोट दिया था, लेकिन उसके अनुसार संविधान संशोधन नहीं हुआ है।3. जल संकट : पंजाब ने भाखड़ा बांध से जाने वाले 5 हजार क्यूसेक पानी की आपूर्ति को रोक दिया है, जिसकी वजह से हरियाणा में जल संकट बढ़ गया है। सिंधु समझौते में पूर्वी क्षेत्र की 3 नदियों सतलज, व्यास और रावी नदी पर सम्पूर्ण अधिकार होने के बावजूद पानी का पूरा इस्तेमाल नहीं होने पर संसदीय समिति ने 2021 की रिपोर्ट में रोष व्यक्त किया था।पश्चिम की सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के पानी से कृषि और जल ऊर्जा के साथ भारत 36 लाख एकड़ फीट पानी के भंडारण का ढांचा बना सकता है। इन तीन नदियों से लगभग 13.43 एकड़ सिंचित भूमि का विकास करने के बजाय भारत में सिर्फ 7.59 लाख एकड़ भूमि ही सिंचित हो पाई है। इस वजह से उत्तर भारत के राज्यों में खेती के नुकसान पर समिति ने चिंता जताई थी।

बाढ़ : राष्ट्रीय बाढ़ आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 1953 से 2018 के बीच बाढ़ से 4 करोड़ हेक्टेयर खेतिहर भूमि, 4 लाख करोड़ की संपदा के नुकसान के साथ 1 लाख इंसानों और 6 लाख जानवरों की जान गई है। पूरे देश में आपदा लाने वाली बाढ़ के विषय का केंद्र, राज्य या समवर्ती सूची कहीं भी आवंटन नहीं हुआ है। ड्रेनेज और तटबंधों का विषय राज्यों के अधीन है, जिसके अनुसार राज्य सरकारें सीमित कार्रवाई कर रही हैं। संसदीय समिति की स्पष्ट सिफारिशों के बावजूद अभी तक संसद से बांध सुरक्षा बिल और रिवर बेसिन मैनेजमेंट बिल पारित नहीं हुआ है।

बांग्लादेश : भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेश जा रहे पानी को रोकने की मांग की है। जनता पार्टी सरकार में प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और फिर प्रधानमंत्री देवगौड़ा ने गंगा जल बंटवारे की संधि पर बांग्लादेश के साथ जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। सिंधु संधि के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की राज्य सरकार और बांग्लादेश के साथ जल संधि का ममता बनर्जी सरकार विरोध कर रही हैं।

ममता के अनुसार बांग्लादेश के साथ गंगा, तीस्ता और फरक्का बांध संधियों में भारत सरकार ने पश्चिम बंगाल की सहमति नहीं ली। 30 साल की संधि दिसम्बर 2026 में खत्म हो रही है। कोलकाता बंदरगाह में पानी की गहराई और पश्चिम बंगाल में जल संकट से निपटने के लिए संधि के नवीनीकरण में सरकार को बांग्लादेश के साथ सख्त रवैया अपनाना होगा।

बिजनेस

अब गोल्ड पर मिलेगा ज्यादा लोन:1 लाख कीमत के सोने पर 85,000 तक कर्ज देंगे बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (फ्इक) ने गोल्ड लोन के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। रिजर्व बैंक ने 2.5 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन पर लोन-टू-वैल्यू (छळश) रेश्यो 75% से बढ़ाकर 85% कर दिया है। इस फैसले से गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। इस फैसले के बाद मुथूट फाइनेंस, मणपुरम फाइनेंस और क्नक्न्छ फाइनेंस के शेयरों में 2% से 7% तक की तेजी देखी गई।

अब 1 लाख रुपए की गोल्ड वैल्यू पर 85,000 रुपये तक लोन मिल सकेगा, पहले यह सीमा 75,000 रुपए थी। 2.5 लाख रुपए तक के छोटे गोल्ड लोन पर क्रेडिट अप्रेजल की जरूरत नहीं होगी, यानी कागजी कार्रवाई कम होगी और लोन जल्दी मिलेगा। इससे छोटे कर्जदार खासकर ग्रामीण और छोटे शहर वाले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए के लिए लोन लेना और आसान हो जाएगा।फ्इक के नए फैसले से गोल्ड लोन देने वाली कंपनी मुथूट फाइनेंस के शेयर में 7% की तेजी रही। शेयर 2,454 रुपए के के स्तर पर बंद हुआ है। इसके अलावा मणप्पुरम फाइनेंस का शेयर 5.64% बढ़कर 247 रुपए तक पहुंच गया। क्नक्न्छ फाइनेंस का शेयर भी 5.20% चढ़कर 451 रुपए पर आ गया है।

इस पहले वित्त मंत्रालय ने फ्इक को सुझाव दिया था कि 2 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन को सख्त नियमों से छूट दी जाए, ताकि छोटे कर्जदारों को जल्दी लोन मिल सके। फ्इकगवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, नए नियमों से गोल्ड लोन सेक्टर में पारदर्शिता और लचीलापन आएगा। फाइनल गाइडलाइंस सोमवार तक जारी हो जाएंगी।

आरबीआई यानी लोन-टू-वैल्यू रेशियो। छळश का मतलब आपके गोल्ड की कुल वैल्यू के अनुपात में आपको कितना लोन मिलेगा। नए नियमों के बाद 1 लाख के गोल्ड पर 85,000 रुपए तक लोन मिल सकेगा।गोल्ड लोन लेने से पहले कई पहलुओं पर गौर करना जरूरी है। इनमें ब्याज दर, लोन-टू-वैल्यू रेशियो, प्रोसेसिंग फीस और कर्ज चुकाने की शर्त शामिल हैं। इन सबसे बढ़कर आपके द्वारा गिरवी रखे गए सोने की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में आपको प्रतिष्ठित लेंडर (यानी गोल्ड लोन देने वाली फर्म) को चुनना चाहिए, जिनके पास सुरक्षित स्टोरेज या लॉकर फैसिलिटी या फिर इंश्योर्ड वॉल्ट हो।

गोल्ड लोन एक सिक्योर्ड लोन है। सोना गिरवी होने से लोन देने वाले का वित्तीय जोखिम कम होता है। गोल्ड लोन की प्रोसेसिंग में तुलनात्मक रूप से कम समय लगता है। इसमें ज्यादा कागजी कार्यवाही की जरूरत नहीं होती।

गोल्ड की कीमतें बढ़ने पर आपका निवेश मूल्य बढ़ सकता है, जिससे गोल्ड लोन लेना एक फायदे का सौदा हो सकता है।

आम तौर पर आपको लोन चुकाने के लिए 3 से 2 साल तक का समय मिलता है। लेकिन यह बैंक और एनबीएफसी पर निर्भर करता है। जैसे लउ्रब्ह बैंक 3 महीने से दो साल तक के लिए कर्ज देता है। रइकतीन साल तक के लिए देता है। मुथूट और मनापुरम ज्यादा समय तक के लिए कर्ज देते हैं।

ज्यादा से ज्यादा आपको एक लाख के सोने पर 90 हजार रुपए का लोन मिलेगा। रइक 50 लाख रुपए तक का गोल्ड लोन देता है। वहीं 1500 रुपए भी लोन देती हैं। चूंकि यह कंपनियां केवल गोल्ड लोन ही देती हैं इसलिए यहां अधिकतम की कोई सीमा नहीं है। रइक की वेबसाइट के अनुसार आपको पैन कार्ड, आधार और 2 पासपोर्ट साइज देना होगा। इसके अलावा पते का भी प्रूफ देना होगा। गोल्ड लोन एक तरह का सिक्योर्ड लोन होता है। इसीलिए इसमें आपका क्रेडिट स्कोर मायने नहीं रखता है। ये लोन आपको पर्सनल लोन की तुलना में आसानी से और कम ब्याज पर मिलता है। बैंक या ठइ्रब्ह आपको लोन की रकम और ब्याज का भुगतान (रीपेमेंट) करने के लिए कई ऑप्शन देते हैं, आप इनमें से अपनी जरूरत के हिसाब से किसी को भी चुन सकते हैं।

राज-काज

कभी एलन मस्क ने उड़ाया था इस गाड़ी का मजाक

नई दिल्ली। चीन की ऑटो कंपनी बीवाईडी ने दुनिया के ऑटो मार्केट में तहलका मचा रखा है। शेनजेन की इस कंपनी ने पिछले साल बिक्री के मामले में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला को पीछे छोड़ दिया। पिछले हफ्ते कंपनी ने ऐसी बैटरी लॉन्च की जो पांच मिनट चार्ज करने पर 250 मील की रेंज दे सकती है। इसी तरह पिछले महीने उसने एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम ऋब्ङ्ख्रि एटी लॉन्च किया जो टेस्ला के फुल सेल्फ-ड्राइविंग फीचर के मुकाबले काफी सस्ता है। यानी यह कंपनी हर मोर्चे पर टेस्ला को टक्कर दे रही है। एक दौर ऐसा भी था जब मस्क इस चीनी कंपनी को कोई भाव देने को तैयार नहीं थे और आज यह सेल्स, इनोवेशन और कीमत के मामले में टेस्ला पर भारी पड़ती दिख रही है। बीवाईडी के उभार से दुनियाभर की कंपनियों की नींद उड़ी हुई है।

भारत में जल्द मिलेगी स्टारलिंक की इंटरनेट सर्विस:इलॉन मस्क की कंपनी को टेलीकॉम मिनिस्ट्री की मंजूरी

नई दिली। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस भारत में ऑपरेट करने के लिए टेलीकॉम डिपार्टमेंट का लाइसेंस मिल गया है। अब उसे सिर्फ इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर यानी, क्ठ-रढअउी के अप्रूवल का इंतजार है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है।

स्टारलिंक तीसरी कंपनी है जिसे भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस ऑपरेट करने का लाइसेंस मिला है। इससे पहले भारती के वनवेब और रिलायंस जियो को देश के भीतर अपनी सर्विस देने के लिए मंजूरी दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्टारलिंक भारत में 840 रुपए में महीनेभर अनलिमिटेड डेटा देगा।द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेसएक्स भारत में अपनी स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज मंथली 10 डॉलर यानी लगभग 840 रुपए से कम कीमत वाले शुरूआती प्रमोशनल अनलिमिटेड डेटा प्लान से शुरू करेगा। स्टारलिंक समेत सैटेलाइट कम्यूनिकेशंस कंपनियों का टारगेट अपने यूजर बेस को तेजी से बढ़ाना है। यह मिड-टू-लॉन्ग टर्म में 10 मिलियन यानी 1 करोड़ कस्टमर तक पहुंच सकता है। इससे कंपनियों को भारी स्पेक्ट्रम कॉस्ट की भरपाई करने में मदद मिलेगी।सैटेलाइट धरती के किसी भी हिस्से से बीम इंटरनेट कवरेज को संभव बनाती है। सैटेलाइट के नेटवर्क से यूजर्स को हाई-स्पीड, लो-लेटेंसी इंटरनेट कवरेज मिलता है। लेटेंसी का मतलब उस समय से होता है जो डेटा को एक पॉइंट से दूसरे तक पहुंचाने में लगता है।

स्टारलिंक किट में स्टारलिंक डिश, एक वाई-फाई राउटर, पॉवर सप्लाई केबल्स और माउंटिंग ट्राइपॉड होता है। हाई-स्पीड इंटरनेट के लिए डिश को खुले आसमान के नीचे रखना होगा।८डर और एंड्रॉइड पर स्टारलिंक का ऐप मौजूद है, जो सेटअप से लेकर मॉनिटरिंग करता है।डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस ने जून 2020 में क्ठ-रढअउी को स्थापित किया था। यह स्पेस एक्टिविटीज में प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी को रेगुलेट करने और उसे सुविधाजनक बनाने के लिए सिंगल-विंडो एजेंसी के रूप में काम करती है। क्ठ-रढअउी नॉन-गवर्नमेंटल एंटिटीज के लिए लाइसेंसिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर शेयरिंग और स्पेस बेस्ड सर्विसेज को बढ़ावा देने का काम भी करती है।

जोमैटो के शेयर में 4.50% की तेजी रही:मॉर्गन स्टेनली ने शेयर का टारगेट 320 किया

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलिवरी कंपनी जोमैटो (इटर्नल) के शेयरों में गुरुवार को 4.50% की तेजी देखने को मिली। कंपनी का शेयर 11 रुपए चढ़कर 256 के स्तर पर पहुंच गया। बीते 5 दिनों में शेयर 12% से ज्यादा चढ़ा है। जोमैटो के शेयर में तेजी का कारण ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली की बाय रेटिंग को माना जा रहा है। फर्म ने जोमैटो का टारगेट प्राइस 320 रखा है, जो मौजूदा स्तर से 33% की तेजी की दिखता है।

ब्रोकरेज ने कंपनी की फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स सेक्टर की टॉप पिक बताया है। इसके लिए कंपनी की लीडरशिप, मजबूत बैलेंस शीट और एफिशिएंट कॉस्ट स्ट्रक्चर को वजह माना है।जोमैटो के शेयर ने एक हफ्ते में यह 13% और 6 महीने में 22% का रिटर्न दिया है। बीते एक महीने में जोमैटो ने 8% और एक साल में 23% का रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 2.35 लाख करोड़ रुपए है।

एक साल में 63% बढ़ी जोमैटो की कमाई

जोमैटो ने 1 मई को चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 6,201 करोड़ रुपए की कुल कमाई की है। यह पिछले साल के मुकाबले 63% ज्यादा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 3,797 करोड़ रुपए की कमाई की थी।कुल कमाई में से कर्मचारियों की सैलरी और टैक्स जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के पास 39 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) के रूप में बचे। सालाना आधार (2024 के जनवरी-मार्च) पर यह 77.71% कम हुआ है। वहीं, पिछली तिमाही यानी अक्टूबर-दिसंबर के मुकाबले यह 33.90% घटा है।

रेवेन्यू 64% बढ़कर 5,833 करोड़

चौथी तिमाही (द4ऋ25) में जोमैटो ने संचालन (प्रोडक्ट-सर्विस बेचकर) 5,833 करोड़ रुपए का राजस्व यानी रेवेन्यू जनरेट किया। पिछले साल के जनवरी-मार्च के मुकाबले यह 63.76% बढ़ा है। जनवरी-मार्च 2024 में कंपनी ने 3,562 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुंबई में गिरगांव चौपाटी समुद्र तट पर सफाई अभियान के दौरान महाराष्ट्र की पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे स्वयंसेवकों और अन्य लोगों के साथ।

कार्यक्रम में शिप्रा मइया को चढ़ाई 351 फीट की चुनरी

मां शिप्रा के पवित्र जल से होगा सिंहस्थ का आयोजन : सीएम

संवाददाता ● भोपाल/उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ऐतिहासिक अवंतिका नगरी में आगामी सिंहस्थ का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दौरान मां क्षिप्रा में कल कल बहता शुद्ध जल प्रवहमान रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रामघाट पर सपत्नीक पूजा-अर्चना के साथ माँ क्षिप्रा को 351 फीट लंबी चुनरी चढ़ाई। उन्होंने प्रदेश की उन्नति की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के ऐतिहासिक महत्व का वर्णन करते हुए कहा कि काल के प्रत्येक प्रवाह में उज्जैन नगरी का अस्तित्व रहा है, यह नगरी सदैव जीवंत रही है।

आयोजन

सम्राट विक्रमादित्य ,सम्राट अशोक से लेकर कई प्रतापी सम्राटों की कर्मभूमि यह अवंतिका नगरी रही है। यह नगरी कई ऐतिहासिक घटनाओं को अपने में समेटे हुए हैं। माँ क्षिप्रा कई ऐतिहासिक गतिविधियों की साक्षी है, मोक्षदायिनी अवंतिका नगरी देवताओं की राजधानी है। इस नगरी का संबंध महाकवि कालिदास तथा राजा भृतहरी जैसे इतिहास पुरुषों से है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश शासन गरीब कल्याण का संकल्प लेकर कार्य कर रहा है। औद्योगिक विकास के लिए निवेश की संपूर्ण संभावनाओं के साथ विकास जारी है। सकारात्मक औद्योगिक नीति के कारण प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश आ रहा है । शिक्षा तथा चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में उल्लेखनीय रूप से मेडिकल कॉलेज की संख्या में वृद्धि हुई है। देश की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को भी पूर्ण सम्मान के साथ अपनाया जा रहा है। जल भंडारण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। हम अपने तीज त्योहारों को संपूर्ण आस्था के साथ मना रहे हैं तीज त्यौहार हमें प्रकृति तथा परमात्मा से जोड़ते हैं। स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश एक नई पहचान बना रहा है। उज्जैन में आगामी सिंहस्थ का भव्य आयोजन दिव्य स्वरुप में होगा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश का भाग्य बदल रहा है उन्होंने कहा कि मां क्षिप्रा के घाटों पर आरती की भव्यता सदैव स्मरणीय है।

करोड़ों लोग लगाएंगे डुबकी

बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का संकल्प है कि माँ शिप्रा का जल सदैव प्रवाह मान रहे कल कल रुप से निरंतर बहता रहे। आगामी सिहस्थ के दौरान माँ शिप्रा के पक्के घाटों पर सुविधाजनक ढंग से करोड़ों लोग दिव्य स्नान कर सकेंगे। कार्यक्रम में डॉ. श्रीराम तिवारी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर लेजर शो हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में ऋषिकेश से पधारे स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज, राज्यसभा सांसद बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, मुख्य सचिव अनुराग जैन उपस्थित थे।

परिक्रमा यात्रा में हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गंगा दशहरा के पर्व पर वाल्मिकी धाम से क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यात्रा के पूर्व वाल्मिकी धाम परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सिंदूर और त्रिवेणी-नीम, पीपल और बरगद के पौधों का रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से अपील की कि अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वाल्मिकी धाम में अनंत श्री विभूषित 1008 स्वामी सोहन दास की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और मंदिर मे दर्शन किये। उन्होंने संत-जनों से सौजन्य भेंट की और यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं से भी मिले। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि आज का दिन अत्यंत शुभ दिन है। मां क्षिप्रा से प्रार्थना है कि वे हमारे द्वारा किए गए पूजन अर्चन और परिक्रमा यात्रा को सफल बनाए और सबका कल्याण करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी ओर से सभी को गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दीं।

शॉट न्यूज

दो तेंदुओं में जोरदार लड़ाई, एक की मौत

बड़वानी। बड़वानी जिले में दो तेंदुओं के बीच हुई खतरनाक लड़ाई में एक तेंदुए की मौत हो गई। वन विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है। वे मौत के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। क्या यह लड़ाई ही थी या कोई और वजह, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। यह घटना मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के पाटी क्षेत्र में हुई। कल शाम एक तेंदुए का शव मिला। इसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। बड़वानी के डीएफओ आशीष बंसोड़ ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोरकट्टा ग्राम की बोरखेड़ी बीट के चौकीदार ने घटना की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम का नेतृत्व बड़वानी के एसडीओ (वन) अतुल पारधी कर रहे थे। वन विभाग की टीम को एक नर तेंदुए का शव मिला।

चलते ट्रक में लगी आग क्लीनर गंभीर झुलसा

सतना। जिले के बरौंधा थाना क्षेत्र अंतर्गत कालिंजर-सतना मार्ग पर स्थित कठवरिया घाटी में एक बड़ा हादसा टल गया। चलते ट्रक में अचानक से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा ड्राइवर केबिन लपटों की चपेट में आ गया। गनीमत रही कि ट्रक में सवार सभी तीन लोग समय रहते कूद गए, लेकिन आग बुझाने की कोशिश में क्लीनर झुलस गया है। जानकारी मुताबिक शाम करीब 4:30 बजे ट्रक यूपी 90 बीटी 3447 जैसे ही घाटी की चढ़ाई चढ़ रहा था। तभी उसके इंजन से अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। कुछ ही पलों में आग ड्राइवर केबिन तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने पूरे ड्राइवर केबिन को अपनी चपेट में ले लिया था। ट्रक में चालक, क्लीनर समेत तीन लोग सवार थे। स्थिति को भांपते हुए तीनों ने तुरंत कूदकर जान बचाई है। हालांकि क्लीनर आग बुझाने की कोशिश में झुलस गया है। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए उसे बाहर निकाला और अस्पताल भेजा।

लापरवाही से वाहन चलाने वालों का लाइसेंस निलंबित किया जाएगा

भोपाल। सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए अब सभी जिलों में रेड स्पाट और हाट स्पाट भी चिह्नित किए जाएंगे। इसके लिए मापदंड निर्धारित किए जा रहे हैं। ये ऐसे स्थान होंगे जहां सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने हाल ही में जिला सड़क संरक्षा समितियों (डीआरएससी) की बैठक में इस आशय के निर्देश दिए हैं। लापरवाही से वाहन चलाने वालों का तीन माह के लिए ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन करने के नियम का कड़ाई से पालन किया जाएगा। उन्होंने सभी कलेक्टरों को रोड सेफ्टी प्लान बनाने के लिए कहा है। बता दें, वर्ष 2024 में प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में 14 हजार लोगों की मौत हुई है। कुल 56 हजार सड़क दुर्घटनाओं में लगभग इतने ही लोग घायल हुए हैं।

पशुओं का खून बहाना उचित नहीं... बकरीद से पहले बोले आईएएस खान

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईएएस नियाज खान एक बार फिर अपने बेबाक बयानों के चलते चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने बकरीद पर्व से ठीक पहले एक ऐसा बयान दिया है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जोरदार बहस छिड़ गई है। खान ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पशु-हत्या को अनुचित बताते हुए लोगों से शाकाहारी जीवन अपनाने की अपील की है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी धार्मिक परंपरा को ठेस पहुंचाना नहीं है। आईएएस नियाज खान ने बकरीद से कुछ घंटे पहले X (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए लिखा: 'पशुओं का खून बहाना कहीं से भी उचित नहीं है।' 'पेड़-पौधे, जीव-जंतु इन सबकी रक्षा होनी चाहिए।' खान ने आगे कहा, 'पर्यावरण दिवस के मौके पर मेरी यही अपील है कि लोग शाकाहार को अपनाएं। जो अल्लाह कुर्बानी से खुश होता है, वही अल्लाह इस बात से भी खुश होगा कि आप पशुओं से कितना प्रेम करते हैं।' खान ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी धर्म या परंपरा के विरोधी नहीं हैं। नियाज़ खान ने कहा, 'मैं किसी धर्म या परंपरा के खिलाफ नहीं हूं। यह एक लोकतांत्रिक देश है और सभी को अपनी-अपनी परंपराओं को मानने का अधिकार है। मैं स्वयं शाकाहारी हूं, इसलिए इसकी सलाह देता हूं।'

अपील

सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

आईएएस खान के इस बयान को सोशल मीडिया पर बकरीद के परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। कुछ लोगों ने उनके विचारों का समर्थन किया है, तो वहीं कई यूज़र्स ने इसे धार्मिक परंपरा में दखल करार दिया है। मुस्लिम समुदाय के कुछ वर्गों ने इसे बकरीद जैसे पवित्र त्योहार के दौरान अनुचित समय पर दिया गया बयान बताया है। नियाज खान 2015 बैच के IAS अधिकारी हैं। पहले वो राज्य प्रशासनिक सेवा में थे। उन्हें मध्य प्रदेश कैडर आवंटित किया गया है, जबकि वह मूल रुप से छत्तीसगढ़ के निवासी हैं। खान अपने साहित्यिक कार्यों और बेबाक राय के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने 'ब्राह्मण द ग्रेट', 'वॉर ऑफ कलियुग' जैसे चर्चित उपन्यास लिखे हैं। इससे पहले भी वह गौहत्या, धार्मिक कट्टरता और सामाजिक कुरीतियों पर टिप्पणियों को लेकर विवादों में रह चुके हैं। बकरीद से ठीक पहले आया यह बयान एक बार फिर से धार्मिक परंपराओं बनाम व्यक्तिगत राय की बहस को जन्म दे सकता है। खासतौर पर तब, जब बयान किसी सरकारी सेवक और वह भी मुस्लिम समुदाय से आने वाले अधिकारी की ओर से आया हो। फिलहाल खान के बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि मुस्लिम समुदाय और प्रशासनिक हलकों में इसे लेकर क्या रुख अपनाया जाता है।

जूनियर डॉक्टर ने हॉस्टल की चौथी मंजिल से लगाई छलांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर शिवांश गुप्ता ने हॉस्टल के चौथी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली है। शिवांश ने हॉस्टल नंबर 4 की चौथी मंजिल से छलांग लगाई थी। घायल अवस्था में शिवांश को उनके साथियों ने देखा तो तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद से ही हॉस्टल परिसर में सन्नाटा पसरा हुआ है। घटना गुरुवार सुबह लगभग 11 बजे की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कॉलेज के डीन, मेडिकल प्रबंधन और पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि शिवांश ने यह कदम क्यों उठाया। गढ़ा थाना पुलिस द्वारा मौके पर जांच की जा रही है और हॉस्टल में रह रहे अन्य छात्रों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, 21 वर्षीय शिवांश गुप्ता मध्यप्रदेश के रीवा जिले के निवासी हैं। वे मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे और वर्तमान में प्रथम या द्वितीय वर्ष के छात्र बताए जा रहे हैं (हालांकि यह जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हुई है)। उनके माता-पिता दिल्ली-गुरुग्राम में नौकरी करते हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने उनके परिजनों को सूचित कर दिया। सूचना पाकर परिजन जबलपुर के लिए रवाना हो चुके हैं। इस पूरे मामले ने मेडिकल कॉलेज परिसर में सनसनी फैला दी है। साथी छात्रों के बीच तनाव का माहौल है।कॉलेज प्रबंधन द्वारा भी इस घटना की गंभीरता को देखते हुए आंतरिक जांच शुरू कर दी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं छात्र किसी मानसिक दबाव या निजी समस्या से तो नहीं जूझ रहा था।

कूदने से पहले किया माता-पिता को मैसेज

लेकिन होता रहेगा गर्मी का भी अहसास, जानिए अपने शहर की वेदर रिपोर्ट

भोपाल सहित कई शहरों में बारिश के आसार

संवाददाता ● भोपाल

मानसून भले ही छह दिन से मुंबई के पास ठिठका हुआ है, लेकिन मध्य प्रदेश में अलग-अलग शहरों में बारिश का सिलसिला बना हुआ है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के असर से रुक-रुककर बारिश हो रही है। इसी क्रम में गुरुवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक रायसेन में 24, उज्जैन में सात मिलीमीटर वर्षा हुई। भोपाल में कहीं-कहीं हल्की बौछारें पड़ीं। सबसे अधिक 40.2 डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश में आगे कैसा रहेगा मौसम - शुक्रवार को भी भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, सागर, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल संभाग के जिलों में वर्षा होने की संभावना है। हालांकि अब दिन के तापमान में बढ़ोतरी भी होगी।

मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी वीएस यादव ने बताया कि वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा मुंबई, अहिल्यानगर, आदिलाबाद, भवानीपटना, पुरी, बालुरघाट से होकर ही गुजर रही है। एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर प्रदेश के आसपास द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। मध्य पाकिस्तान एवं उससे लगे हुए उत्तर-पश्चिमी राजस्थान पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात मौजूद है।

एमपी में इसलिए हो रही बारिश - दक्षिणी हरियाणा पर भी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना है। दक्षिणी छत्तीसगढ़ से ओडिशा, झारखंड, दक्षिणी बिहार, पश्चिम बंगाल से होते हुए उत्तर-पूर्वी बांग्लादेश तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इन मौसम प्रणालियों के असर से रुक-रुक कर वर्षा का सिलसिला बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि छिटपुट वर्षा का दौर भले ही बना रहेगा, लेकिन अब दिन के तापमान में बढ़ोतरी भी होगी। अगले पांच दिन में तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

ग्वालियरः दोपहर बाद निकली धूप तो बढ़ गया तापमान

ग्वालियर अंचल में गुरुवार सुबह बादल रहे तो मौसम भी ठंडा रहा। एक बार तो ऐसा लगा कि बारिश भी होगी। लेकिन दोपहर होते होते मौसम का मिजाज बदल गया और बादल गायब हो गए और धूप निकल आई। इसके बाद तापमान के साथ गर्मी भी बढ़ने लगी। पिछले दो दिन में अंचल में गर्मी के तेवर नरम रहे हैं। लेकिन तापमान में जरूर रोजाना बढ़त हो रही है।

जमीनी विवाद से चल रही हैं परेशान

पूर्व एमएलए की पत्नी ने की सुसाइड की कोशिश

संवाददाता ● कटनी

मध्य प्रदेश के कटनी जिले के बड़वारा तहसील कार्यालय में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पूर्व कांग्रेस विधायक विजय राघवेंद्र सिंह की पत्नी रंजीता सिंह ने तहसील कार्यालय में खुद पर केरोसिन डालकर आत्महत्या करने की कोशिश की। यह घटना तब हुई, जब वह बड़वारा नायब तहसीलदार कार्यालय में अपनी जमीन से जुड़े विवाद को लेकर सुनवाई के लिए पहुंची थीं। उसी दौरान रंजीता सिंह प्लास्टिक की केन में भरा केरोसिन डालने लगीं और माचिस मांगकर आग लगाने की बात करने लगीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रंजीता सिंह ने कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों और फरियादियों के सामने अचानक अपने ऊपर केरोसिन उड़ेल लिया। हालांकि समय रहते मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें आत्मघाती कदम उठाने से रोक लिया और सुरक्षित स्थान पर ले गए। इस घटना से कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। रंजीता सिंह ने बताया कि उन्होंने 15 सितंबर 2021 को बिलायत कला गांव में जहान सिंह नामक व्यक्ति से 0.39 हेक्टेयर में 1176 वर्गफुट भूमि खरीदी थी, लेकिन उक्त जमीन पर अनुरोध तिवारी नामक व्यक्ति का कब्जा है, जो कथित तौर पर 1995 से उस पर काबिज है। रंजीता का कहना है कि पिछले छह महीनों से वह तहसील कार्यालय के चक्कर काट रही हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। नायब तहसीलदार अनुराधा सिंह पर लापरवाही का आरोप लगाया।

हड़कंप

ट्रेन में तीन घंटे तड़पे दिव्यांग क्रिकेटर, नहीं मिला उपचार

संवाददाता ● ग्वालियर

पंजाब के दिव्यांग क्रिकेटर विक्रम सिंह की बुधवार, 4 जून को ट्रेन में मौत हो गई। वह दिल्ली के निजामुद्दीन स्टेशन से ट्रेन में सवार हुए थे। वह अपने साथियों के साथ छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में मध्य प्रदेश के ग्वालियर जा रहे थे। लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही रास्ते में ही उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। बताया जा रहा है कि तबीयत बिगड़ने पर उन्हें समय से इलाज नहीं मिला और उन्होंने ट्रेन में ही दम तोड़ दिया। ट्रेन के अझाई स्टेशन पर पहुंचने से पहले ही विक्रम सिंह की तबीयत खराब हो गई थी। उनके लिए रेलवे से मदद मांगी गई। सुबह करीब 5 बजे रेलवे हेल्पलाइन 139 पर फोन किया गया। लेकिन रेलवे की ओर से जवाब दिया गया कि मथुरा स्टेशन पर डॉक्टर मिलेंगे और इससे पहले ही अझाई स्टेशन पर ट्रेन डेढ़ घंटे तक खड़ी रही। ऐसे में अझाई स्टेशन पर इतनी देर तक ट्रेन खड़े रहने से विक्रम सिंह को इलाज नहीं मिल पाया और उनकी हालत पहले से और ज्यादा खराब होने लगी। इसके बाद 8:10 पर ट्रेन मथुरा पहुंची। लेकिन तीन घंटे से ज्यादा समय तक इलाज न मिल पाने की वजह से विक्रम की मौत हो गई। उनके साथी खिलाड़ियों ने विक्रम की मौत के लिए रेलवे की लापरवाही को जिम्मेदार बताया और कहा कि तीन घंटे तक विक्रम को इलाज नहीं मिल पाया और वह तड़पते रहे।

ब्लैक स्पॉट के साथ रेड और हॉट स्पॉट भी होंगे चिह्नित

मप्र में अब सड़क हादसों पर लगेगी लगाम

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सरकार ने नया कदम उठाया है। अब सिर्फ ब्लैक स्पॉट ही नहीं, बल्कि सभी जिलों में रेड स्पॉट और हॉट स्पॉट भी चिन्हित किए जाएंगे। ये ऐसे स्थान होंगे जहां सबसे ज्यादा सड़क हादसे होते हैं। इसके लिए मापदंड भी तय किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने हाल ही में जिला सड़क सुरक्षा समिति (DRSC) की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हर जिले में रोड सेफ्टी प्लान तैयार किया जाए और ऐसे खतरनाक स्थानों की पहचान कर वहां सुधार कार्य किया जाए।

रोक

सरकार ने साफ कर दिया है कि जो लोग लापरवाही से वाहन चलाते हैं, उनके ड्राइविंग लाइसेंस को तीन महीने के लिए निलंबित किया जाएगा। यह नियम सख्ती से लागू किया जाएगा। 2024 में मध्य प्रदेश में 14 हजार लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई, जबकि करीब 56 हजार लोग घायल हुए। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, रेड और हॉट स्पॉट चिन्हित करने से जिला स्तर की सड़क सुरक्षा समितियों को यह समझने में मदद मिलेगी कि किस स्थान पर बार-बार दुर्घटनाएं क्यों हो रही हैं। इसके बाद वहां जरूरी सुधार किए जा सकेंगे। इन सुधारों में सड़क डिजाइन, संकेतक, स्ट्रीट लाइट या स्पीड ब्रेकर जैसे काम शामिल हो सकते हैं। अब तक प्रदेश में केवल ब्लैक स्पॉट की पहचान होती थी, लेकिन अब उनका दायरा बढ़ाया जा रहा है। वर्ष 2021 में प्रदेश में 395 ब्लैक स्पॉट थे जो अब बढ़कर 480 हो गए हैं। ये भी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है। सभी जिलों में यह कार्य कलेक्टरों की निगरानी में किया जाएगा और संबंधित विभाग जैसे PWD, ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम आदि की मदद ली जाएगी।

'उसने मुझे पहले प्रपोज'

दीपिका को डेट करने पर मुजम्मिल इब्राहिम ने तोड़ी चुप्पी, बताई ब्रेकअप की वजह

बॉलीवुड की पॉपुलर और खूबसूरत एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण लोगों के दिलों पर राज करती हैं। जिस फिल्म के साथ उनका नाम जुड़ जाता है, उसे देखने की एक्साइटमेंट सिनेमा लवर्स के बीच डबल हो जाती है। करियर के शुरुआत से ही दीपिका प्रोफेशनल लाइफ से लेकर लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में रही हैं। एक्ट्रेस का नाम कई सितारों के साथ जुड़ा है, लेकिन उन्हें मुंबई आने के बाद पहली बार एक्टर मुजाम्मिल इब्राहिम से प्यार हुआ था। अब दीपिका को डेट करने पर एक्टर ने खुद चुप्पी तोड़ी है। दीपिका पादुकोण का नाम उनके शुरुआती दिनों में एक्टर मुजम्मिल इब्राहिम से जुड़ा था। हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में इब्राहिम ने दीपिका और अपनी लव लाइफ के बारे में बात की। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी मुलाकात से लेकर ब्रेकअप तक की पूरी कहानी सुनाई है। मुजम्मिल ने दीपिका के बारे में बात करते हुए कहा, 'हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे और आज भी हैं। दीपिका बहुत अच्छी लड़की है और मैं उसका बहुत ज्यादा सम्मान करता हूं। हमने मॉडलिंग के दिनों में डेट किया था। हमारी डेटिंग करीब दो साल तक चली थी। मैं ही वो पहला लड़का हूं, जिससे दीपिका मुंबई में मिली।' अपनी बात पूरी करते हुए एक्टर ने आगे बताया कि उसने मुझे ग्लैडरैग्स, परदेसिया जैसी कई फिल्मों में देखा था और वह मुझे काफी ज्यादा पसंद करती थी। उन्होंने इस बात का दावा भी किया कि दीपिका ने ही उन्हें पहले प्रपोज किया था। सिद्धार्थ कन्नन के इंटरव्यू में एक्टर से ब्रेकअप की वजह से जुड़ा सवाल भी किया गया। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'अरे ये भी पूछना था। फिर उन्होंने आखिरकार ब्रेकअप की असल वजह बताते हुए कह दिया कि रिश्ता टूटने की वजह वे ही थे। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें दीपिका को छोड़ने का अफसोस नहीं है। उस समय वह स्टार थे और दीपिका मॉडल थी। लेकिन मैं उनसे पहले ही एक अभिनेता बन चुका था। अभिनेता ने अपनी बात पूरी करते हुए आगे कहा, 'आज वह सुपरस्टार हैं और सभी उन्हें जानते हैं, लेकिन अब मुझे कोई नहीं जानता है।

युजवेंद्र चहल की टीम के हारते ही खुशी से चिल्लाई धनाश्री

आईपीएल का सीजन 18 कई मायनों में खास रहा है। बैंगलुरू ने जहां पंजाब को हराते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है तो वहीं विराट कोहली ने भी इतिहास रच दिया है। वहीं दूसरी ओर जीत के इतने करीब आने के बाद प्रीति जिंटा और उनकी टीम किंग्स 11 पंजाब को हार का सामना करना पड़ा और उनके आंसुओं ने हर किसी को इमोशनल कर दिया। इसी बीच धनाश्री का रिएक्शन सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, धनाश्री के एक्स हसबैंड युजवेंद्र चहल किंग्स 11 पंजाब में थे और उनकी टीम हार चुकी है। इसके बाद धनाश्री का ये पोस्ट उनके और आरजे महविश के लिए जले पर नमक का काम कर सकता है। दरअसल, धनश्री वर्मा ने अब सोशल मीडिया पर आरसीबी की जीत का जश्न मनाया है। आपको बता दें, तलाक के बाद धनश्री वर्मा का आरसीबी की जीत पर किया पोस्ट काफी वायरल हो रहा है। फैंस इसी इंतजार में बैठे थे कि कब धनश्री वर्मा इस मामले पर कोई रिएक्शन दें। अब देर से ही सही, लेकिन धनश्री वर्मा ने इस मामले पर सबके सामने रिएक्ट कर दिया है। धनश्री वर्मा ने कुछ ही देर पहले अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल की स्टोरी से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें विराट कोहली आईपीएल 2025 की ट्रॉफी थामे चलते हुए नजर आ रहे हैं और उनके पीछे बाकी प्लेयर्स चल रहे हैं। इस तस्वीर में सभी के चेहरों पर जीत की खुशी नजर आ रही है। आपको बता दें, ये क्रिकेटर्स जीत के बाद जितने खुश दिख रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा खुश और एक्साइटेड धनश्री वर्मा नजर आ रही हैं। अब धनश्री ने इस फोटो को अपनी स्टोरी पर शेयर करते हुए लिखा, 'फाइनली, नंबर 18 के लिए 18। विराट कोहली और टीम को बधाई हो।' अपने इस पोस्ट में धनश्री वर्मा ने विराट कोहली और अजित राममूर्ति को भी टैग किया है।

मलाइका ने खोले राज, शेयर किए हिट गानों के किस्से

बिजनेस जर्नी पर बोलीं- बचपन का सपना अब हो रहा साकार

हाल ही में मलेशिया में अवॉड्र्स ऑफ एक्सीलेंस सीजन-3 का आयोजन हुआ था। इस फंक्शन में बॉलीवुड दीवा मलाइका अरोड़ा हमारी खास मेहमान बनीं। मलाइका ने इवेंट में अपनी बिजनेस जर्नी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे बचपन में बिजनेस को लेकर किया मेनिफेस्टेशन अब जाकर सच हुआ है। साथ ही, उन्होंने अपने हिट गानों से जुड़े किस्से भी शेयर किए हैं। सबसे पहले तो मुझे एशिया अवॉड्र्स ऑफ एक्सीलेंस सीजन-3 का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस कार्यक्रम के हिस्सा बन, आपके साथ यहां बैठ प्राउड फील कर रही हूं। मुझे ये मौका देने के लिए शुक्रिया कहूंगी। बतौर एक्टर जब हम बड़े पर्दे पर आते हैं या रेड कारपेट पर चलते हैं तो सबको खबर होती है। लेकिन हम लोग जब कैमरे के पीछे कुछ करते हैं तो लोगों को पता नहीं होता है। सच बताऊं तो बिजनेस का मुझे पहले कुछ पता नहीं था। क्या, कैसे करना है और शुरुआत कहां से करनी है। लोग जब बिजनेस वुमन का टैग देते है तो मुझे ये सारे टर्म समझ नहीं आते। हर साल मैं कुछ नया सीखती हूं। ऐसे में मैं अपनी एंटरप्रेन्योर जर्नी को एक लर्निंग एक्सपीरियंस मनाती हूं। मैं जिस भी ब्रांड या वेंचर के साथ जुड़ी हूं वो मेरे दिल के करीब हैं। जो मेरे जानने वाले हैं,वो जानते हैं कि मैं वेलनेस को लेकर सचेत हूं। मेरे जो वेंचर्स हैं, वो वेलनेस एसोसिएटेड है। आज की भागदौड़ की जिंदगी में हम सब वेलनेस को भूल जाते हैं। मेरी कोशिश है कि मैं लोगों तक ये मैसेज पहुंचा सकूं कि योग, अच्छा खाना और छोटी-छोटी चीजें कर के हेल्दी रहा जा सकता है। कोई यकीन नहीं करता है लेकिन मुझे खाना बहुत पसंद है। जब मैं स्कूल में थी तो मैं अक्सर कहती थी कि मुझे रेस्टोरेंट खोलना है। मुझे खुद का स्टूडियो बनाना है। मुझे पता नहीं था कि बचपन का सपना एक दिन सच हो जाएगा। मेरी जो मेरा इतना ख्याल रखती है, उन्होंने भी मुझे एंटप्रोन्योरशिप की तरफ पुश किया। जब इसका कीड़ा मुझे लगा गया फिर मैं रुकी नहीं। एक के बाद एक नई चीजें करती गई। मैं एक दिन वेलनेस एम्पायर खड़ा करना चाहती हूं। मुझे नहीं पता होगा या नहीं लेकिन मेनिफेस्ट तो कर ही सकते हैं। मेनिफेस्टेशन में मेरा यकीन है।

अवॉर्ड शो में अवनीत कौर का दिखा गजब अवतार

यूजर्स बोले- 'इंडियन क्रिकेट फैन की नई क्रश है ये

अवनीत कौर जब भी कहीं स्पॉट होती हैं तो उनका लुक सबसे अलग होता है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है। अवनीत ने अपने आउटफिट से सभी को चौंका दिया है। अवनीत एक अवॉर्ड फंक्शन में पहुंची थीं। जहां पर उन्होंने रेड कार्पेट पर पैपराजी के लिए पोज भी दिए। अवनीत के पोज शानदार थे। वो कैमरे की तरफ एकदम कॉन्फिडेंटली पोज कर रही थीं। उनकी अदाएं देखकर फैंस के भी होश उड़ गए हैं। अवनीत के लुक की बात करें तो उन्होंने ऑरेंज कलर की डीप नेक थाई हाई स्लिट ड्रेस पहनी थी। उन्होंने अपने लुक को बन से कंप्लीट किया। अवनीत ने अपने लुक को डार्क शेड लिपिस्टिक से कंप्लीट किया। उनका मेकअप एकदम परफेक्ट था। अवनीत की फोटोज पर खूब कमेंट हो रहे हैं। कई लोग तो फोटो पर कमेंट करके चुटकी ले रहे हैं। एक ने लिखा- इंडियन क्रिकेट फैन की नई क्रश है ये। वहीं कुछ लोग कह रहे हैं अवनीत जैसी कोई नहीं। कुछ लोगों ने फायर इमोजी पोस्ट की है। इन फोटोज को लोग खूब लाइक कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अवनीत लंबे समय से किसी प्रोजेक्ट में नजर नहीं आई हैं। हालांकि वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।

'उनकी फिल्म फ्लॉप होती है तो'

हीरो को ज्यादा फीस मिलने पर वामिका गब्बी ने उठाया सवाल

वामिका गब्बी पंजाबी सिनेमा के बाद अब बॉलीवुड में छा गई हैं। 2007 में करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म जब वी मेट से डेब्यू करने वालीं वामिका इन दिनों लेटेस्ट हिट मूवी भूल चूक माफ) में दिखाई दे रही हैं। फिल्म की सफलता के बीच वामिका गब्बी ने एक हालिया इंटरव्यू में एक्टर्स और एक्ट्रेसेज के बीच पेय गैप यानी सैलरी में असमानता के मुद्दे पर बात की है। फिल्मी गलियारों में हमेशा से ही हीरो को हीरोइनों से ज्यादा फीस दी जाती है। उनका मानना है कि हीरो में दर्शकों को सिनेमाघरों में खींचने की क्षमता होती है। मगर वामिका ऐसा नहीं मानती हैं। वामिका गब्बी ने जूम बताया की फीस की असमानता ने उन्हें कभी परेशान नहीं किया। बकौल एक्ट्रेस, 'फैक्ट है कि सैलरी असमानता मौजूद है लेकिन मुझे परेशान नहीं करता है। मगर यह भावना है कि आप एक महिला हैं और आपको कम पैसे मिलेंगे और ऐसा ही है। तर्क यह है कि एक पुरुष अभिनेता इतने सारे दर्शकों को आकर्षित कर सकता है, लेकिन आप नायिका के बिना फिल्म नहीं बना सकते। मुझे इसके पीछे का तर्क समझ में नहीं आता। कभी-कभी वे एक नायक को लेते हैं और बहुत सारे पैसे देते हैं और फिर फिल्म नहीं चलती। उनकी फीस पर असर क्यों नहीं पड़ता? भूल चूक माफ एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने आगे कहा, 'मैं उस पैसे को कमाने के लिए अलग-अलग तरीके खोजना चाहती हूं। मैं इसे क्रिएटिव तरीके से करना चाहती हूं जहां मैं खुश महसूस करूं और अपने लिए फीस के अंतर को कम कर सकूं। मैं इस फैक्ट से इनकार नहीं कर सकती कि फीस में असमानता है। कोई भी 'मेल सेंट्रिक' फिल्म फीमेल लीड के बिना नहीं चल सकती।

8.5 रेटिंग वाली क्राइम सीरीज जिसे बनाने में लगे 62 दिन

इसके लिए 6 साल की गई थी रिसर्च

अगर आप हिंदी क्राइम ड्रामा के शौकीन हैं तो आपको आज एक ऐसी सीरीज के बारे में बताएंगे जो आपको सीट से उठने का मौका नहीं देगी। हम बात कर रहे हैं एक ऐसी वेब सीरीज की जिसने प्रतिष्ठित अंतरर्राष्ट्रीय एमी अवॉर्ड जीता है। सबसे खास बात यह है कि यह सच्ची घटनाओं पर आधारित है। सीजन 1 और 2 की सफलता के बाद, नेटफ्लिक्स ने पॉपुलर सीरीज दिल्ली क्राइम के सीजन 3 की घोषणा की थी। शेफाली शाह ने इससे खूब नाम कमाया था। इस घोषणा के बाद से फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं। सीरीज का पहला सीजन साल 2019 में आया था। ऑडियंस और क्रिटिक्स से इसे काफी ज्यादा तारीफ मिली। इसके पहले सीजन में चार एपिसोड हैं तो आपको पूरी तरह से बांधकर रखेंगे और सीट से हिलने नहीं देंगे। 48वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नेटफ्लिक्स की इस भारतीय सीरीज के पहले सीजन को 'बेस्ट ड्रामा सीरीज'का अवॉर्ड मिला था। इससे साबित हुआ कि भारतीय कहानियों और उनकी फिल्मिंग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा जा सकता है। इस सीरीज का पहला सीजन दिल्ली में हुए दिल दहला देने वाले 'निर्भया गैंगरेप केस' पर आधारित था। निर्देशक रिची मेहता ने इसे बेहद संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ फिल्माया है। सीरीज में अभिनेत्री शेफाली शाह ने डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी की भूमिका निभाई है, जिन्हें इस जघन्य अपराध के दोषियों को खोजने का मुश्किल काम सौंपा गया है। शेफाली शाह की एक्टिंग ने इस किरदार में जान डाल दी थी। उनकी एक्टिंग आपके रोंगटे खड़े कर देगी। उनके अलावा राजेश तैलंग, रसिका दुग्गल, अनुराग अरोड़ा और आदिल हुसैन जैसे मंझे हुए कलाकारों भी इसमें नजर आए और अपनी छाप छोड़ दी थी। इस सीरीज ने कुल 26 अवाड्र्स जीते थे और शेफाली शाह की एक्टिंग ने सभी को चौंकाकर रख दिया था।

झूमकर बरसे बदरा तो नाचने लगे बच्चे, फिर 2 सुपरस्टार्स ने भी बीच में कूदकर बनाया ऐसा गाना

गर्मी का दौर खत्म होने वाला है और बारिश का इंतजार भी समाप्त होने को आ गया है। बारिश आते ही दिनों में खुशी महसूस होने लगती है और खुशी में झूमने गाने का मन करता है। बारिश और बॉलीवुड का भी पुराना रिश्ता रहा है। बारिश में और बारिश पर बने गानों ने लोगों के दिलों में खूब रुनझुन बजाई है। ऐसा ही एक गाना 28 साल पहले बॉलीवुड में बना था जिसमें तेज बारिश में नाचते बच्चों को देख 2 सुपरस्टार्स वहां पहुंचे और साथ में नाचने लगे। साथ ही इस गाने को शूट कर लिया गया और फिल्म में डाल दिया गया। बाद में ये गाना लोगों को खूब पसंद आया और फिल्म भी हिट रही। ये फिल्म थी साल 1997 में रिलीज हुई 'दिल तो पागल है' और इसमें शाहरुख खान के साथ माधुरी दीक्षित की जोड़ी खूब जमी थी। 'कोई लड़की है' टाइटल वाले इस गाने में माधुरी दीक्षित और शाहरुख खान ने ऑनस्क्रीन रोमांस किया था। बारिश में भीगी माधुरी के डांस ने भी लोगों को दीवाना बनाया था और शाहरुख खान ने भी कमाल की एक्टिंग की थी। दोनों के इस रोमांटिक गाने को भी लोगों ने खूब प्यार किया था। इस गाने की शूट होने की भी एक कहानी बताई जाती है। जिसमें कहा जाता है कि बारिश में कुछ बच्चे नाच रहे थे। जिसे देखकर फिल्म के मेकर्स ने यहां कैमरा लगाया और माधुरी दीक्षित के साथ शाहरुख खान भी बच्चों के साथ नाचने लगता हैं। इस गाने को बारिश में शूट किया गया और लोगों को खूब पसंद आया। 28 साल बाद भी ये गाना लोगों के जहन में बसा है और बॉलीवुड के सबसे सुपरहिट गानों की लिस्ट में शामिल है। डायरेक्टर यश चोपड़ा की फिल्म 'दिल तो पागल है' बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ प्रीति जिंटा और माधुरी दीक्षित लीड रोल में नजर आई थीं। महज 9 करोड़ रुपयों से बनी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 71 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कमाई करने में सफल रही थी।

रिलीज से पहले ही हाउसफुल-5 के बिके 94 हजार टिकट

अक्षय कुमार समेत कुल 2 दर्जन सितारों से सजी फिल्म 'हाउसफुल-5' एक अनोखे प्रयोग की नींव रख रही है और आज सिनेमाघरों में दस्तक देगी। पहली बार 2 एंडिंग के साथ रिलीज हो रही एक ही फिल्म को लेकर फैन्स भी काफी उत्साहित हैं। साथ ही इस फिल्म में छोटे-बड़े सितारों समेत बॉलीवुड के कुल 2 दर्जन से ज्यादा कलाकार अपनी एक्टिंग का रंग कहानी में जमाते नजर आने वाले हैं। अब तक फिल्म की एडवांस बुकिंग में भी 94 हजार से ज्यादा टिकटों की सेल हो चुकी है। साथ ही रिलीज से पहले ही इस फिल्म ने एडवांस बुकिंग के जरिए बीते 5 दिनों में कुल 5.4 करोड़ रुपयों से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। बॉलीवुड के धाकड़ प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने इस फिल्म के जरिए एक नई विधा की नींव रखी है। जिसमें एक ही फिल्म को 2 अलग-अलग एंडिंग के साथ दिखाया जाएगा। साथ ही मर्डर मिस्ट्री के साथ धमाकेदार कॉमेडी से सजी इस फिल्म में कातिल बदल जाएगा। लेकिन कहानी वही रहेगी। अब देखना होगा कि ये प्रयोग सिनेमाई दुनिया में कितना सफल होता है। आज यानी 6 जून को हाउसफुल-5 सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। बॉक्स ऑफिस इंडिया की रिपोर्ट की मानें तो फिल्म की एडवांस बुकिंग में 94 हजार से ज्यादा टिकट बिके हैं और 5.50 करोड़ रुपयों की कमाई एडवांस कर ली है। ये बॉलीवुड की अब तक की सबसे बड़ी और सफल फिल्म फ्रेंचाइजी है। साल 2010 में 'हाउसफुल' फिल्म से शुरू हुआ ये सफर अभी भी जारी है और इस बार मेकर्स को बॉक्स ऑफिस पर बड़े धमाके की उम्मीद है। आज रिलीज हो रही हाउसफुल-5 कई मायनों में काफी खास है। जैसे 2 एंडिंग के साथ पहली बार कोई कहानी बन रही है।

दो बार के विश्व चैंपियन इस भारतीय क्रिकेटर ने लिया संन्यास, भारत के लिए 2012 में खेला था पिछला मैच

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत के स्टार लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। शुक्रवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये उन्होंने इसकी घोषणा की। पीयूष 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। उन्होंने भारत के लिए पिछला मैच 2012 में खेला था। हालांकि, पीयूष को 2007 टी20 विश्व कप में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था।

पीयूष ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'कृतज्ञता के साथ इस अध्याय को अंत कर रहा हूं!! खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले रहा हूं। इस खूबसूरत यात्रा में आपके समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद। पीयूष ने अपने पोस्ट में टीम इंडिया और आईपीएल की जर्सी में कई तस्वीरें भी साझा की हैं।पीयूष ने लंबे से नोट को शेयर करते हुए लिखा, 'मैदान पर दो दशक से ज्यादा समय बिताने के बाद, अब इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है। भारत का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करने से लेकर 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने तक, इस अविश्वसनीय यात्रा में हर पल किसी वरदान से कम नहीं रहा है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में बसी रहेंगी। आईपीएल की उन फ्रेंचाइजियों को दिल से धन्यवाद जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया - पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस। आईपीएल मेरे करियर का एक खास अध्याय रहा है और मैंने इसमें खेलते हुए हर पल को संजोया है।पीयूष ने लिखा, 'मैं अपने कोचों - श्री के.के. गौतम और स्वर्गीय श्री पंकज सारस्वत का दिल से आभारी हूं - जिन्होंने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में विकसित किया और आकार दिया। मेरा परिवार इस सफर में मेरी ताकत और एक स्तंभ रहा है। परिवार का अटूट समर्थन सभी उतार-चढ़ावों के दौरान मेरी नींव रहा है। मेरे दिवंगत पिता का विशेष उल्लेख करना चाहूंगा। उनका मुझ

पर अटूट विश्वास रहा और मेरे लिए रास्ता बनाया। उनके बिना यह यात्रा कभी संभव नहीं होती। मैं बीसीसीआई, यूपीसीए (उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन) और जीसीए (गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन) को भी धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में खुद को विकसित करने और अभिव्यक्त करने के लिए मंच और अवसर प्रदान किए। आज मेरे लिए बेहद भावनात्मक दिन है, क्योंकि मैं आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। भले ही मैं क्रीज से दूर हो जाऊं, लेकिन क्रिकेट हमेशा मेरे भीतर जिंदा रहेगा। अब मैं इस खूबसूरत खेल की भावना और सबक को अपने साथ लेकर एक नई यात्रा शुरू करने के लिए उत्सुक हूं।'पीयूष ने 2006 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था।

उन्होंने अपना पहला मैच 2006 में मोहाली में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच के रूप में खेला था। इसके बाद उन्होंने 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे डेब्यू और 2010 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 डेब्यू किया था। पीयूष ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच दिसंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ, आखिरी वनडे 2011 में नीदरलैंड के खिलाफ और आखिरी टी20 मैच इंग्लैंड के खिलाफ 2012 में वानखेड़े में खेला था। इसके बाद वह कभी टीम इंडिया में जगह नहीं बना सके। हालांकि, उन्होंने आईपीएल खेलना जारी रखा और वह इस लीग के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में से एक हैं।पीयूष ने भारत के लिए तीन टेस्ट, 25 वनडे और सात टी20 मैच खेले। टेस्ट में उनके नाम सात विकेट, वनडे में 32 विकेट और टी20 में चार विकेट हैं। आईपीएल में उन्होंने 192 मैचों में 192 विकेट लिए। वह पिछले साल मुंबई इंडियंस की टीम का हिस्सा रहे थे। हालांकि, मेगा ऑक्शन से पहले उन्हें रिलीज किया गया और नीलामी में उन्हें किसी ने नहीं खरीदा। इसके बाद वह इस आईपीएल में कमेंट्री टीम का भी हिस्सा रहे।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इस घातक इंग्लिश पेसर की हो सकती है वापसी, चयनकर्ता ने

एजेंसी ● लंदन

30 साल के तेज गेंदबाज आर्चर ने कई बार चोटिल होने के कारण 2021 से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेला है और हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के लिए टीम में उनके चयन के लिए भी विचार नहीं किया गया क्योंकि वह हाल ही में समाप्त हुई आईपीएल के दौरान अंगूठे में हुए फ्रैक्चर से उबरने की कोशिश कर रहे हैं इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा है कि पारंपरिक प्रारूप में चार साल पहले अपना पिछला मुकाबला खेलने वाले स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अगले महीने भारत के खिलाफ टीम के दूसरे टेस्ट मैच के लिए वापसी कर सकते हैं।

पांच मैच की सीरीज का दूसरा टेस्ट दो से छह जुलाई तक एजबस्टन में खेला जाएगा। वहीं, इस सीरीज की शुरुआत 20 जून से होने जा रही है। पहला मुकाबला लीड्स में खेला जाएगा।30 साल के तेज गेंदबाज आर्चर ने कई बार चोटिल होने के कारण 2021 से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेला है और हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के लिए टीम में उनके चयन के लिए भी विचार नहीं किया गया क्योंकि वह हाल ही में समाप्त हुई आईपीएल के दौरान अंगूठे में हुए फ्रैक्चर से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। राइट ने कहा, 'जॉफ (आर्चर) काफी अच्छी तरह उबर रहे हैं।

उनके लिए योजना यह है कि वह कुछ प्रथम श्रेणी मैच खेलें। ससेक्स की दूसरी टीम का हिस्सा बनें और फिर पहले टेस्ट के दौरान डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए खेलें।'उन्होंने कहा, 'अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह ससेक्स के लिए खेलेंगे और फिर अगर सब कुछ ठीक रहा तो उम्मीद है कि वह दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो जाएंगे।'

ससेक्स में आर्चर के पूर्व साथी राइट ने कहा, 'अन्य सभी गेंदबाजों की तरह उन्हें बिना किसी बाधा के हर दिन अच्छा प्रदर्शन करना होगा, लेकिन अगर सब कुछ ठीक रहा और वह डरहम मैच में सफल रहे तो वह दूसरे टेस्ट में चयन के लिए संभावित रूप से उपलब्ध हो सकते हैं।'अंगूठे की चोट के कारण वह 29 मई से तीन जून के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की एकदिवसीय सीरीज से भी चूक गए। आर्चर और तेज गेंदबाज मार्क वुड की अनुपस्थिति में इंग्लैंड का तेज गेंदबाजी विभाग क्षमता और अनुभव के मामले में कुछ कमजोर दिखता है। मार्च में लगी घुटने की चोट के कारण वुड क्रिकेट से दूर हैं।

माल्या ने पहले मुंबई के लिए लगाई बोली, आरसीबी को शराब के प्रचार के लिए खरीदा; कोहली को चुनने की वजह भी बताई

एजेंसी ● लंदन

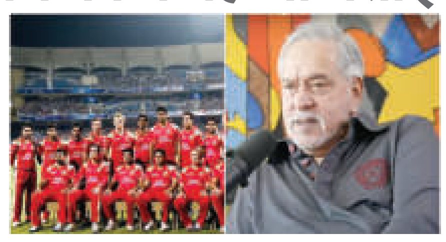

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम इस वक्त चर्चा में है। टीम ने 18 सत्रों के खिताबी सूखे को खत्म किया। आरसीबी की टीम पहली बार चैंपियन बनी, लेकिन बेंगलूरू पहुंचकर उनका जश्न मातम में बदल गया। बेंगलूरू में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर जश्न के दौरान फैंस की भीड़ में भगदड़ मच गई और उसमें 11 लोग जान गंवा बैठे। इसके अलावा 50 से ज्यादा लोग घायल भी हुए। 2008 से आरसीबी की टीम लीग का हिस्सा है, लेकिन 18वें सत्र में जाकर पहली बार चैंपियन बन पाई। इस दौरान कई स्टार खिलाड़ी आए और गए, लेकिन 18 सत्रों से एक खिलाड़ी जो टीम में बना रहा, वह हैं विराट कोहली। टीम की जीत के बाद फैंस ने भगोड़े विजय माल्या को भी याद किया, जो इस फ्रेंचाइजी का पहला मालिक भी है।

माल्या भारत में एक वांछित भगोड़ा बना हुआ है। हालांकि, उसने राज शामानी के साथ एक पॉडकास्ट में हिस्सा लिया और खुलासा किया कि उसने मुंबई इंडियंस सहित कुल तीन फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगाई थी। हालांकि, माल्या मुंबई को खरीद नहीं पाया, क्योंकि मुकेश अंबानी ने सबसे ज्यादा कीमत लगाई थी। एमआई को सबसे कम मार्जिन से खोने के बाद, माल्या ने अंततः आरसीबी को 112 मिलियन अमेरिकी डॉलर (तब) की राशि चुकाकर खरीदा था। उस वक्त यानी 2008 में 112 मिलियन यूएस डॉलर की वैल्यू 600-700 करोड़ रुपये थी।

माल्या ने कहा कि आरसीबी को खरीदने के पीछे उसका एकमात्र उद्देश्य अपने व्हिस्की ब्रांड 'रॉयल चैलेंज' को बढ़ावा देना था। इसके पीछे कोई क्रिकेट प्रेम नहीं था।माल्या ने पॉडकास्ट में कहा, 'ललित मोदी ने इस लीग को लेकर बीसीसीआई समिति के सामने जो पिच की थी, मैं उससे काफी प्रभावित हुआ था। उन्होंने एक दिन मुझे बुलाया और कहा कि ठीक है टीमों की नीलामी होने जा रही है। क्या आप इसमें से कोई टीम खरीदने में दिलचस्पी रखते हैं? इसलिए मैंने तीन फ्रेंचाइजी में दिलचस्पी दिखाई और बोली लगाई और मैं बहुत कम अंतर से मुंबई फ्रेंचाइजी नहीं खरीद सका।

'माल्या ने कहा, 'जब मैंने 2008 में आरसीबी फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगाई थी तो मैंने आईपीएल को भारतीय क्रिकेट के गेमचेंजर के रूप में देखा था। मेरी सोच एक ऐसी टीम बनाने की थी जो बैंगलोर (तब का नाम) की भावना को जीवंत, गतिशील, ग्लैमरस लुक दे। मैंने 112 मिलियन डॉलर का भुगतान किया। यह दूसरी सबसे बड़ी बोली थी, क्योंकि मुझे क्षमता पर विश्वास था। मैं आरसीबी को एक ऐसा ब्रांड बनाना चाहता था जो न केवल मैदान पर बल्कि उसके बाहर भी उत्कृष्ट दिखे। यही कारण है कि मैंने इसे हमारे सबसे ज्यादा बिकने वाले शराब ब्रांडों में से एक रॉयल चैलेंज से जोड़ दिया, ताकि इसे वह बोल्ड पहचान मिल सके।'

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ केएल राहुल ने जड़ा अर्धशतक, जुरेल भी क्रीज पर; भारत ए को संभाला

नॉर्थम्पटन। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन अर्धशतक जड़ दिया है। राहुल की शानदार पारी की मदद से भारत ए का स्कोर 140 रन के पार पहुंच गया है। फिलहाल राहुल के साथ ध्रुव जुरेल क्रीज पर मौजूद हैं। इंग्लैंड लायंस ने भारत ए को शुरुआती झटके दिए थे, लेकिन राहुल ने करुण नायर के साथ मिलकर पारी को संभाला।

अब तक तीनों विकेट क्रिस वोक्स ने ही लिए हैं। केएल राहुल और नायर के बीच तीसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी हुई जिसे क्रिस वोक्स ने नायर को आउट कर तोड़ा। वोक्स ने नायर को एलबीडब्ल्यू किया जो अर्धशतक लगाने के चूक गए। नायर 71 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, इंग्लैंड लायंस ने भारत ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मैच के पहले दिन टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ए को यशस्वी जायसवाल और कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन के रूप में शुरुआती झटके लगे।

इसके बाद करुण और राहुल ने भारत ए की पारी को संभाला और लंच ब्रेक तक कोई और विकेट गिरने नहीं दिया। राहुल और नायर की सधी हुई बल्लेबाजी से भारत ने लंच ब्रेक तक दो विकेट पर 75 रन बनाए थे। दूसरे सत्र में वोक्स एक बार फिर सफलता हासिल करने में सफल रहे और उन्होंने राहुल और नायर के बीच पनप रही साझेदारी को तोड़ा। वहीं, लंच से पहले बारिश के कारण भी खेल को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा था। भारत के लिए इस मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल पारी का आगाज करने उतरे। यशस्वी इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन क्रिस वोक्स की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट होकर पवेलियन लौट गए। भारत ने इस तरह 28 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया।

इंडियाना पेसर्स ने ओक्लाहोमा सिटी में ओक्लाहोमा सिटी थंडर के खिलाफ एनबीए फाइनल बास्केटबॉल श्रृंखला का पहला गेम जीतने के बाद जश्न मनाया।

इंग्लैंड के खिलाफ कितने टेस्ट मैच खेलेंगे जसप्रीत बुमराह?

मुंबई। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सभी मुकाबले नहीं खेलेंगे। इसकी जानकारी मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भारतीय टीम का एलान करते हुए दी थी। उन्होंने बताया था कि कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए बुमराह का सभी मैच में खेलना मुश्किल है। अब कोच गंभीर और कप्तान गिल ने भी बताया कि बुमराह सिर्फ तीन मैच खेलेंगे। यह कौन से तीन मैच होंगे, इसका फैसला अभी नहीं हुआ है भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड दौरे पर सिर्फ तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। इसकी जानकारी गुरुवार को मुख्य कोच गौतम गंभीर ने दी। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुमराह की फिटनेस पर बात की और बताया कि वह पांच में से सिर्फ तीन मुकाबले खेलेंगे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सभी मुकाबले नहीं खेलेंगे। इसकी जानकारी मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भारतीय टीम का एलान करते हुए दी थी। उन्होंने बताया था कि कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए बुमराह का सभी मैच में खेलना मुश्किल है।अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था- जिस तरह फिजियो और डॉक्टरों ने हमें बताया है, मुझे नहीं लगता कि बुमराह सभी पांच मैचों में उपलब्ध रह सकेंगे।

सीएम साय ने कहा- हमारे युवाओं के पास अब विश्वस्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा होगी

छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय मंच, नवा रायपुर में बनेगी राष्ट्रीय तीरंदाजी अकादमी

खेल संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए खेलों में भविष्य गढ़ने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 4 जून को महानदी भवन, नया रायपुर में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाजी अकादमी की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। यह अकादमी देश की श्रेष्ठ खेल संस्थाओं में से एक होगी, जिसमें आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित प्रशिक्षण केंद्र और खिलाड़ियों के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी।

बता दें कि राष्ट्रीय तीरंदाजी अकादमी की स्थापना के लिए खेल एवं

युवा कल्याण विभाग को नवा रायपुर के सेक्टर-03, ग्राम परसदा स्थित 13.47 एकड़ भूमि निःशुल्क दी जाएगी। भूमि के प्रीमियम, भू-भाटक एवं जीएसटी सहित 39.22 करोड़ रुपए की प्रतिपूर्ति राज्य शासन, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को करेगा।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस निर्णय को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह केवल एक भवन या संस्थान की शुरुआत नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। हमारे यहां प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें सही प्रशिक्षण और अवसर देने की। राष्ट्रीय तीरंदाजी अकादमी जैसे संस्थान प्रदेश के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं और मार्गदर्शन उपलब्ध कराएंगे। यह अकादमी न केवल खेल के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की पहचान बनाएगी, बल्कि यहां से निकलने वाले खिलाड़ी देश का गौरव भी बढ़ाएंगे। इस तीरंदाजी अकादमी की स्थापना एनटीपीसी लिमिटेड के सहयोग से की जाएगी। प्रस्तावित अकादमी में आउटडोर तीर-दाजी रेंज, एसी युक्त इनडोर रेंज, उच्च प्रदर्शन केंद्र, खिलाड़ियों के लिए छात्रावास, निदेशकों और कर्मचारियों के लिए आवासीय परिसर जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं शामिल होंगी। भूमि आवंटन आदेश के तीन माह के भीतर लीज अनुबंध निष्पादित कर उसका पंजीयन कराना होगा तथा अनुबंध की तिथि से एक वर्ष के भीतर निर्माण कार्य प्रारंभ कर तीन वर्षों में पूर्ण करना आवश्यक होगा। राष्ट्रीय तीरंदाजी अकादमी के निर्माण की जिम्मेदारी क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की होगी। इसलिए, आवश्यक बजटीय प्रावधान राज्य शासन द्वारा सुनिश्चित किए जाएंगे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में यह पहली बार होगा जब तीरंदाजी जैसे पारंपरिक और तकनीकी खेल के लिए इतनी बड़ी संरचना का निर्माण किया जाएगा। इससे आदिवासी क्षेत्रों में छिपी तीरंदाजी प्रतिभाओं को भी एक मंच मिलेगा और प्रदेश खेलों के क्षेत्र में एक नई पहचान की ओर अग्रसर होगा।

आरसीबी के अधिकारी समेत चार गिरफ्तार; अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी ● बेंगलुरु

बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ के सिलसिले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के चार अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 अन्य घायल हो गए थे।

उन्हें क्राइम ब्रांच और बेंगलूरू पुलिस की ओर से एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के एक अधिकारी समेत चार लोगों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ के सिलसिले में आरसीबी और इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। बेंगलूरू के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने भी पुष्टि की कि भगदड़ मामले में कुछ गिरफ्तारियां की गई हैं। हमारी टीमें मामले को बहुत गंभीरता से ले रही हैं और आखिरकार मामला सीआईडी के पास जाना है। इसलिए सीआईडी के पास जाने से पहले हमारी टीम की ओर से जो भी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करनी हैं, वे कर रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी से पहले आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसले, डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सुनील मैथ्यू और किरण कुमार से पूछताछ की गई। आगे की प्रक्रिया बाद में पूरी की गई। बताया गया है कि कुछ को कथित तौर पर शहर के बाहरी इलाके केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) से हिरासत में लिया गया था।

दैनिक अदित्य भारत !! श्रीकृष्ण शरणंमम!! सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, शनिवार, 07 जून, 2025

www.adityabharat.com

गंगा दशहरा के मौके पर कल लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में डुबकी लगाकर सूर्य को अर्घ्य दिया। इस अवसर के लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी की थी। सुरक्षा के पूरे इंतजाम थे, घाटों पर लाइफ गार्ड की तैनाती की गई थी।

शॉट न्यूज

पाकिस्तानी जेल से कैदियों के बाद हेड कॉन्स्टेबल भी फरार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कराची के मालिर जेल से 2 जून की रात को 216 कैदी फरार हो गए थे। अब इस जेल के हेड कॉन्स्टेबल राशिद चिंगारी के फरार होने की खबर आ रही है। दरअसल, उनपर कैदियों को भागने में मदद करने का आरोप लगा है। खबरों के मुताबिक सिंध सरकार ने तुरंत उनकी गिरफ्तारी का आदेश दे दिया है। पाकिस्तानी जेल मंत्री अली हसन जरदारी खुद इस मामले को देख रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 126 कैदी वापस लौट आए हैं, जबकि 90 कैदी अब भी फरार हैं। शुरुआती जांच में पता चला कि जेल के अंदर ही कुछ अधिकारी कैदियों की मदद कर रहे थे। राशिद चिंगारी का नाम पहले सस्पेंड किए गए 23 जेल कर्मचारियों की सूची में नहीं था, लेकिन बाद की जांच में उनका नाम सामने आया है। जेल मंत्री ने इसमें शामिल पाए जाने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने की बात कही है।

पूर्व पीएम माधव नेपाल पर भ्रष्टाचार का आरोप

काठमांडू। नेपाल की एंटी करप्शन एजेंसी ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल पर पतंजलि योग-पीठ-नेपाल से जुड़े भूमि हेराफेरी मामले में आरोप लगाया। दुरुपयोग जांच आयोग (सीआईएए) ने माधव कुमार नेपाल के खिलाफ काठमांडू से लगभग 40 किलोमीटर योग केंद्र और हर्बल खेती स्थापित करने के लिए पतंजलि योग-पीठ को भूमि खरीद में मदद करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। इसमें माधव कुमार नेपाल और 93 अन्य लोगों का नाम हैं। मुकदमा दायर होने के बाद, वर्तमान सांसद माधव नेपाल की संसदीय सदस्यता निलंबित हो गई है। नेपाल के कानून के अनुसार, भ्रष्टाचार के आरोप में सभी सार्वजनिक पदाधिकारियों को मामले के पूरी तरह हल होने तक निलंबित कर दिया जाता है। माधव नेपाल, जो मई 2009 से फरवरी 2011 तक नेपाल के प्रधानमंत्री रहे।

राहत सामग्री लेकर जहाज से ईद पर पहुंचेंगी, इजराइली सेना गिरफ्तार कर सकती है

गाजा के लिए राहत सामग्री लेकर निकलीं ग्रेटा थनबर्ग

तेल अवीव ● एजेंसी

स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग जहाज से गाजा की यात्रा पर निकली हैं। वे अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही हैं। इसमें उनके साथ 11 और लोग हैं जो 'मैडलीन' नाम की एक जहाज पर सवार हैं। थनबर्ग अपनी टीम के साथ इटली के सिसली द्वीप से 1 जून को रवाना हुई थी। अगर कोई रुकावट नहीं हुई तो 2000 किमी की दूरी तय कर मैडलीन जहाज 7 जून यानी कि ईद के दिन गाजा पहुंच जाएगा। इस यात्रा का मकसद सिर्फ मदद पहुंचाना ही नहीं, बल्कि इजराइल द्वारा गाजा पर लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध जताना भी है। इस बीच इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग की इस यात्रा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। इजराइली सेना ने कहा कि वे जरूरत पड़ने पर जरूरी कदम उठाएंगे। हालांकि ग्रेटा और उनके साथी इस अभियान को पूरी तरह शांतिपूर्ण और मानवीय बता रहे हैं।

रुकावट

ग्रेटा ने रवाना होने से पहले बयान दिया, अगर इंसानियत में कोई बची-खुची उम्मीद है, तो हमें फिलिस्तीन के लिए आवाज उठानी होगी। मैं इसलिए यहां हूं क्योंकि यह मेरा कर्तव्य है। मैडलीन की लोकेशन लाइव ट्रैक की जा रही है। 4 जून को यह सिसिली से 600 किमी दूर था। मंगलवार रात को ग्रीस के तट से 68 किमी दूर एक ड्रोन इसके ऊपर मंडराता देखा गया, जो ग्रीक कोस्टगार्ड का था।

गाजा जा रहा मैडलीन मिशन क्या है?

इजराइल ने 2 मार्च से गाजा में राहत सामग्री की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगा रखी है, जिससे वहां 23 लाख लोगों में से 93% भुखमरी का सामना कर रहे हैं। दर्जनों बच्चे भूख से मर चुके हैं। मैडलीन जहाज का मकसद इन लोगों तक मदद पहुंचाना है। मैडलीन जहाज फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन (एफएफसी) का हिस्सा है। यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो गाजा पर लगी इजराइली नाकेबंदी को चुनौती देने के लिए मानवीय अभियानों को चलाता है। यह जहाज दक्षिण इटली के कातानिया पोर्ट से रवाना हुआ है और इसमें जीवन रक्षक सामग्री लदी हुई है। एफएफसी ने इसे एक शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध बताया है। उनके मुताबिक, जहाज पर सवार सभी कार्यकर्ता और चालक दल के सदस्य अहिंसा के सिद्धांत में प्रशिक्षित हैं और यह मिशन पूरी तरह से शांतिपूर्ण है।

रिलायंस डिजिटल का 'शॉप एंडविन' 30 करोड़ तक के इनाम के साथ खरीदारी को जीत में बदल देता है

एजेंसी ● मुंबई

इंडिया के लीडिंग इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, रिलायंस डिजिटल अपने आकर्षक शॉप एंडविन अभियान के लॉन्च के साथ आपके शॉपिंग अनुभव को बनाने वाले हैं थोड़ा और मज़ेदार, यहां आपको मिलेगा एक ऐसा मौका जहां हर खरीदारी पर आप जीतेंगे बड़े इनाम। 31 अगस्त तक, रिलायंस डिजिटल स्टोर्स, मायजियो स्टोर्स और reliancedigital.in पर ऑनलाइन खरीदारी करने वाले ग्राहकों को 30 करोड़ तक के इनाम जीतने का मौका मिलेगा। 25 कार, 40 बाइक, 450+ इलेक्ट्रॉनिकप्रोडक्ट्स, लैपटॉप और वॉशिंग मशीन खरीदने वालों के लिए निश्चित उपहार इसके अलावा, 15 जून तक ICICI बैंक काड्र्स का उपयोग करके 15000 तक इंस्टंट डिस्काउंट का फायदा उठाएं, लैपटॉप खरीदने वालों को 1 करोड़ के प्राइज़पूल से स्कॉलरशिप जीतने का भी मौका मिलेगा। मौका न चूकें, आज ही शॉपिंग करें और हर खरीदारी को जीत में बदलें! रिलायंस डिजिटल के बारे में रिलायंस डिजिटल

भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल रहा यह 600 से ज्यादा शहरों में मौजूद है, जिसमें 650 से भी ज्यादा बड़े फॉर्मेट वाले रिलायंस डिजिटल स्टोर्स और 990 से भी ज्यादा मायजियो स्टोर्स हैं, जो देश के हर नुक्कड़ और कोने में ग्राहकों की सेवा में कार्यरत हैं 300 से ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय ब्रांड्स और सर्वोत्तम कीमतों पर 5000 से ज्यादा प्रोडक्ट्स के साथ, ग्राहकों को उनकी जीवन शैली के अनुरूप टेक्नोलॉजी संबंधी सही समाधान खोजने में मदद करने के लिए, रिलायंस डिजिटल के पास कई सारे मॉडल्स हैं जिनमें से ग्राहक पसंदीदा मॉडल चुन सकते हैं।

कुशीनगर में यूपी के मंत्री राजेश्वर सिंह का विवादित बयान

बकरीद पर अगर प्रतिबंधित पशु कटेंगे तो...'

कुशीनगर ● एजेंसी

उत्तर प्रदेश सरकार के दर्जा प्राप्त मंत्री राजेश्वर सिंह ने कुशीनगर जिले में कहा कि हम सभी को महाराज जी (सीएम योगी) के जन्मदिन पर संकल्प लेना है कि कोई भी पशु जो प्रतिबंधित है, उसे कटने नहीं देना है। प्रतिबंधित पशु है- गाय माता।।। और गाय माता की हमें रक्षा करनी है। गाय, बछड़े, ऊंट आदि किसी भी बड़े पशु को हम नहीं कटने देंगे। सिंह ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि बकरीद आ रही है। इस दौरान मुसलमानों को हम गाय नहीं काटने देंगे।

बयान

अगर प्रतिबंधित पशु कटेंगे तो मुसलमान भी कटेंगे और कुशीनगर में खून की धारा बह जाएगी। हालांकि, इसको लेकर पुलिस-प्रशासन भी अलर्ट है। पुलिस ने साफ कर दिया है कि कुर्बानी सार्वजनिक जगह पर

ना दी जाए और प्रतिबंधित पशु का वध ना किया जाए। नियम विरुद्ध काम करने वाले पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने पूरे राज्य में बकरीद को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए व्यापक निर्देश जारी किए। इन निर्देशों के अनुरूप यूपी पुलिस द्वारा व्यापक तैयारियां और कार्रवाई की गई है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यूपी पुलिस ने निवारक उपायों, सामुदायिक सहभागिता और कड़ी सतर्कता पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक बहुआयामी रणनीति लागू की है। किसी भी नई परंपरा की शुरुआत को रोकने के लिए पुलिस थानों ने अपने त्योहार रजिस्टरों की गहन समीक्षा की है।

दिल्ली में भी एडवाइजरी जारी, गाय-ऊंट की न हो कुर्बानी

दिल्ली सरकार ने आगामी बकरीद (7 जून) के मद्देनज़र एक सख्त एडवाइजरी जारी की है, जिसके तहत गाय, बछड़े, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थलों जैसे सड़क, गली या किसी खुली जगह पर कुर्बानी करने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि कुर्बानी केवल अधिकृत और तयशुदा स्थानों पर ही की जा सकती है। इस दिशा-निर्देश के तहत सोशल मीडिया पर कुर्बानी के फोटो या वीडियो पोस्ट करना भी पूरी तरह वर्जित रहेगा, ताकि किसी भी प्रकार की भड़काऊ या भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री प्रसारित न हो। दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि सरकार पशु कल्याण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और बकरीद के दौरान किसी भी तरह की अवैध कुर्बानी या पशु क्रूरता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।

संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)